



**चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार  
लोक संपर्क कार्यालय**

समाचार पत्र का नाम.....  
*दौरः मूर्ति*

दिनांक २७.१०.२०२० पृष्ठ संख्या..... ९ ..... कॉलम ..... २८ .....

# अब वेस्टर्न सिडनी यूनिवर्सिटी से ऑनलाइन पढ़ाई कर सकेंगे विद्यार्थी

टटिगुडी न्यूज ॥ दिल्ली

अब विद्यार्थी आस्ट्रेलिया की वेस्टर्न सिडनी यूनिवर्सिटी से ऑनलाइन पढ़ाई कर सकेंगे। इसके लिए ग्राहीय कृषि उच्च शिक्षणिक परियोजना-संस्थागत विकास योजना के तहत सामवार को एक ऑनलाइन कृषि कौशल सशक्तिकरण कार्यक्रम शुरू हुआ है। इस कार्यक्रम का उद्घाटन वेस्टर्न सिडनी यूनिवर्सिटी के उपकुलपति एवं बाइस प्रेसीडेंट प्रोफेसर डेविड स्टोनो ने किया। इस कार्यक्रम में हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय हिसार के कुलपति प्रोफेसर समर सिंह को विशेष रूप से आमंत्रित किया गया था। कुलपति प्रोफेसर समर सिंह ने कहा कि कोरोना महामारी के चलाते

**राष्ट्रीय कृषि उच्च शिक्षणिक परियोजना- संस्थागत विकास योजना के तहत हुआ कार्यक्रम**

### ये पांच नॉड्यूल हुए लॉन्च

विश्वविद्यालय के स्नायकात्मक अधिकारी डॉ. आशा तवारी व अस्ट्रेलियन मास्टर्स के स्नायकात्मक डॉ. दलविं रिह व वे जाया ने रिहडनी यूनिवर्सिटी जै ऑनलाइन माध्यम से पांच नॉड्यूल लॉन्च कर दिया। इन नॉड्यूल में 21वीं वर्ष के अंतर्वर्ष नॉड्यूल, विश्वविद्यालय डिजाइन नॉड्यूल, इंजिनियरिंग नॉड्यूल, सेविका नॉड्यूल, इंडस्ट्री एंटरप्रार्सर समर सिंह व अन्य शक्ति।



### इन्होंने लिया कार्यक्रम नें हिस्सा

इस ऑनलाइन कार्यक्रम में आरतीय कृषि अनुसंधान परिषद से डॉ. अमृतालाल, डॉ. यशवत रिह प्रमाण बालवानी एवं वालिनी विश्वविद्यालय रोकत, विश्वविद्यालय के कुलपति डॉ. परविद कौशल, शेर-कशीर विश्वविद्यालय के कुलपति डॉ. नर्जीर अहमद, ट्रैकिंग कृषि विश्वविद्यालय इंडिया के कुलपति डॉ. अनुपम किंशा तथा दिल्ली कृषि विश्वविद्यालय के कुलपति डॉ. अलय कुमार रिह ने संबोधित किया। इनके अतिथि डॉ. गोविंद गोविंद, डॉ. शार्दुल, जोखर राहित विश्वविद्यालयों के कुलपति, उद्योग जगत, बैंकिंग व राष्ट्रीय कृषि अनुसंधान परिषद के वैज्ञानिक भी शामिल हुए।

प्रोफेसर समर सिंह ने बताया कि इस कार्यक्रम के लांच होने से विद्यार्थियों को कृषि उत्पादों के अतंरराष्ट्रीय स्तर पर व्यापारिकरण की जानकारी मिलेगी और कृषि की अध्युनिक तकनीकों के बारे में भी जान सकेंगे। साथ ही विद्यार्थियों की स्वयं एसिल्स विकासित होगी।



## चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार लोक संपर्क कार्यालय

दीर्घ राजभाष्य

समाचार पत्र का नाम.....

दिनांक २७.१०.२०२० पृष्ठ संख्या २ कॉलम ७-८

### वेस्टर्न सिडनी यूनिवर्सिटी में पढ़ाई कर सकेंगे विद्यार्थी

दृष्टिगूम्ह ब्लॉग में चंडीगढ़

प्रदेश के विद्यार्थी अब आस्ट्रेलिया की वेस्टर्न सिडनी यूनिवर्सिटी से ऑनलाइन पढ़ाई कर सकेंगे। राष्ट्रीय कृषि उच्च शैक्षणिक परियोजना के तहत सोमवार एक ऑनलाइन कृषि कौशल सशक्तिकरण कार्यक्रम शुरू हुआ, जिसका उदघाटन वेस्टर्न सिडनी यूनिवर्सिटी के उपकुलपति एवं वाइस प्रेसीडेंट (रिसर्च, इंटरप्राइज एवं इंटरनेशनल) प्रोफेसर डेबोराह स्वीनी ने किया। इस कार्यक्रम में चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार के कूलपति प्रोफेसर समर सिंह को विशेष रूप से आमंत्रित किया गया था। इस अवसर पर कूलपति प्रोफेसर समर सिंह ने कहा कि कोरोना महामारी के चलते फिजिकली रूप से आस्ट्रेलिया में जाकर पढ़ाई करना अभी संभव नहीं है। इसलिए ऑस्ट्रेलिया की वेस्टर्न सिडनी

■ ऑनलाइन शिक्षा का विवि के उपकुलपति प्रोफेसर डेबोराह स्वीनी ने शुभारंभ किया

#### ऑनलाइन होंगी पढ़ाई

इसके तहत अब विद्यार्थी विदेशों की तर्ज पर ऑनलाइन माध्यम से शिक्षा हासिल कर सकेंगे। जब कोरोना काल समाप्त हो जाएगा तो फिजिकली रूप से भी वेस्टर्न सिडनी यूनिवर्सिटी में जाकर पढ़ सकेंगे और वहां के वैज्ञानिकों व कृषि उद्यमियों से मिलकर कृषि की नवीनतम तकनीकों और रोजमरा की जिंदगी में काम आने वाली व्यापार की बारीकियों की जानकारी हासिल कर सकेंगे। इस कार्यक्रम में देश के 14 विश्वविद्यालयों के कूलपतियों के अलावा उद्योग जगत, बैंकिंग व राष्ट्रीय कृषि अनुसंधान परिषद के वैज्ञानिक भी शामिल हुए।

यूनिवर्सिटी की ओर से एक ऑनलाइन कृषि कौशल सशक्तिकरण कार्यक्रम लॉन्च किया गया।



## चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार लोक संपर्क कार्यालय

पांडुष्ठ कैसरी

समाचार पत्र का नाम.....

दिनांक २७. १०. २०२० पृष्ठ संख्या..... ५ ..... कॉलम..... १-३ .....

## अब ऑस्ट्रेलिया से ऑनलाइन पढ़ाई कर सकेंगे हरियाणा के विद्यार्थी

चंडीगढ़ हिसार, 26 अक्टूबर (पांडेय, ब्यूरो): हरियाणा के विद्यार्थी अब ऑस्ट्रेलिया की वेस्टर्न सिडनी यूनिवर्सिटी से ऑनलाइन पढ़ाई कर सकेंगे। राष्ट्रीय कृषि उच्च शैक्षणिक परियोजना के तहत आज एक ऑनलाइन कृषि कौशल सशक्तिकरण कार्यक्रम शुरू हुआ, जिसका उद्घाटन वेस्टर्न सिडनी यूनिवर्सिटी के उपकुलपति एवं वाइस प्रैजीडेंट (रिसर्च, इंटरप्राइज एवं इंटरनेशनल) प्रोफैसर डेबोराह स्वीनी ने किया। कार्यक्रम में चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय हिसार के कुलपति प्रो. समर सिंह को विशेष रूप से आमंत्रित किया गया था।

इस अवसर पर कुलपति प्रो. समर सिंह ने कहा कि कोरोना महामारी के चलते फिजिकली रूप से ऑस्ट्रेलिया में जाकर पढ़ाई करना अभी संभव नहीं है इसलिए ऑस्ट्रेलिया की वेस्टर्न सिडनी यूनिवर्सिटी की ओर से एक ऑनलाइन कृषि कौशल सशक्तिकरण कार्यक्रम लाँच किया गया है। इसके तहत अब विद्यार्थी विदेशों की तर्ज पर ऑनलाइन माध्यम से शिक्षा हासिल कर सकेंगे। जब कोरोना काल समाप्त हो जाएगा तो फिजिकली रूप से भी वेस्टर्न सिडनी यूनिवर्सिटी में जाकर



↑ कार्यक्रम में मौजूद विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. समर सिंह व अन्य वक्ता।

### ये 5 मॉड्यूल हुए लॉन्च

विश्वविद्यालय की स्नातकोत्तर अधिषंखता डॉ. आशा क्षात्रा व अंतर्राष्ट्रीय मामलों के संयोजक डॉ. दलविंद्र सिंह ने बताया कि सिडनी यूनिवर्सिटी में ऑनलाइन माध्यम से 5 मॉड्यूल लॉन्च हुए हैं। इनमें 21वीं सदी के इंटरप्रेन्योर मॉड्यूल, क्रिएटिविटी एंड इनोवेशन मॉड्यूल, डिजाइन थिंकिंग मॉड्यूल, इंडस्ट्री सेमीनार और रिप्लेक्शन रिपोर्टिंग मॉड्यूल शामिल हैं।

पढ़ सकेंगे और वहां के वैज्ञानिकों व कृषि उद्यमियों से मिलकर कृषि की नवीनतम तकनीकों और रोजमरा की जिंदगी में काम आने वाली व्यापार की बारीकियों की जानकारी हासिल

कर सकेंगे। इस कार्यक्रम में देश के 14 विश्वविद्यालयों के कुलपतियों के अलावा उद्योग जगत, बैंकिंग व राष्ट्रीय कृषि अनुसंधान परिषद के वैज्ञानिक भी शामिल हुए।



## चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम.....

दिनांक 27.10.2020 पृष्ठ संख्या..... 2 कॉलम..... 3-6

# अब ऑस्ट्रेलिया की वेस्टर्न सिडनी यूनिवर्सिटी से ऑनलाइन पढ़ाई कर सकेंगे एचएयू के स्टूडेंट

ऑनलाइन कृषि कौशल सशक्तिकरण कार्यक्रम हुआ, विभिन्न यूनिवर्सिटी के वीसी ने लिया हिस्सा

भास्कर न्यूज़ | हिसार

अब एचएयू के विद्यार्थी ऑस्ट्रेलिया की वेस्टर्न सिडनी यूनिवर्सिटी से ऑनलाइन पढ़ाई कर सकेंगे। इसके लिए राष्ट्रीय कृषि उच्च शैक्षणिक परियोजना- संस्थागत विकास योजना के तहत सोमवार को एक ऑनलाइन कृषि कौशल सशक्तिकरण कार्यक्रम शुरू हुआ। कार्यक्रम का उद्घाटन वेस्टर्न सिडनी यूनिवर्सिटी के उपकुलपति एवं वाइस प्रेसीडेंट (रिसर्च, इंटरप्राइज एवं इंटरनेशनल) प्रोफेसर डेबोराह स्वीनी ने किया। इस कार्यक्रम में एचएयू कुलपति प्रोफेसर समर सिंह को विशेष रूप से आमंत्रित किया गया था। कुलपति प्रोफेसर समर सिंह ने कहा कि कोरोना महामारी के चलते फिजिकली रूप से आस्ट्रेलिया में



कार्यक्रम में भाग लेते विभिन्न विश्वविद्यालयों के कुलपति।

जाकर पढ़ाई करना अभी संभव नहीं है। इसलिए ऑस्ट्रेलिया की वेस्टर्न सिडनी यूनिवर्सिटी की ओर से एक ऑनलाइन कृषि कौशल सशक्तिकरण कार्यक्रम लॉन्च किया गया है। अब विद्यार्थी विदेशों की तर्ज पर ऑनलाइन माध्यम से शिक्षा हासिल कर सकेंगे। जब कोरोना काल समाप्त हो जाएगा

तो फिजिकली रूप से भी वेस्टर्न सिडनी यूनिवर्सिटी में जाकर पढ़ सकेंगे और वहां के वैज्ञानिकों व कृषि उद्यमियों से मिलकर कृषि की नवीनतम तकनीकों और रोजमर्रा की जिंदगी में काम आने वाली व्यापार की बारीकियों की जानकारी हासिल कर सकेंगे। इस कार्यक्रम में देश के 14 विश्वविद्यालयों

### ये पांच मॉड्यूल हुए लॉन्च

विवि की स्नातकोत्तर अधिष्ठाता डॉ. आशा कवात्रा व अंतर्राष्ट्रीय मामलों के संयोजक डॉ. दलविंद्र सिंह व ने बताया कि सिडनी यूनिवर्सिटी में ऑनलाइन माध्यम से पांच मॉड्यूल लॉन्च हुए हैं। इन मॉड्यूल में 21वीं सदी के आंत्रप्रेन्यर मॉड्यूल, क्रिएटिविटी एंड इनोवेशन मॉड्यूल, डिजाइन सिंकिंग मॉड्यूल, इंडस्ट्री सेमिनार और रिफ्लेक्शन रिपोर्टिंग मॉड्यूल शामिल हैं।

के कुलपति के अलावा उद्योग जगत, बैंकिंग व राष्ट्रीय कृषि अनुसंधान परिषद के वैज्ञानिक भी शामिल हुए। कार्यक्रम में डॉ. अरुणाचलम, डॉ. यशवंत सिंह परमार, डॉ. परविंद्र कौशल, डॉ. नजीर अहमद, डॉ. अनुपम मिश्रा व डॉ. अजय कुमार सिंह ने भी संबोधित किया।



## चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम.....

१०/१०/२०२०

दिनांक २७.१०.२०२० पृष्ठ संख्या.....३ कॉलम.....२-६

### अच्छी खबर

योजना के तहत कृषि कौशल सशक्तीकरण कार्यक्रम हुआ शुरू, कुलपति प्रो. समर सिंह विशेष रूप से आमंत्रित किए गए

## वेस्टर्न सिडनी यूनिवर्सिटी से ऑनलाइन पढ़ाई करेंगे एचएयू के विद्यार्थी

जागरण संवाददाता, हिसार : चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के विद्यार्थी अब आस्ट्रेलिया की वेस्टर्न सिडनी यूनिवर्सिटी से ऑनलाइन पढ़ाई कर सकेंगे। इसके लिए राष्ट्रीय कृषि उच्च शैक्षणिक परियोजना- संस्थागत विकास योजना के तहत सोमवार को एक ऑनलाइन कृषि कौशल सशक्तीकरण कार्यक्रम शुरू हुआ है। इसका उद्घाटन वेस्टर्न सिडनी यूनिवर्सिटी के उपकुलपति एवं वाइस प्रेसीडेंट (रिसर्च, इंटरप्राइज एवं इंटरनेशनल) प्रो. डेबोराह स्वीनी ने किया। कार्यक्रम में एचएयू के कुलपति प्रो. समर सिंह को विशेष रूप से आमंत्रित किया गया था।

प्रो. समर सिंह ने कहा कि कोरोना महामारी के चलते फिजिकली रूप से आस्ट्रेलिया में जाकर पढ़ाई करना



कार्यक्रम में मौजूद विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोफेसर समर सिंह व अन्य वक्ता। ● पीआरओ अभी संभव नहीं है। इसलिए वेस्टर्न कृषि उद्यमियों से मिलकर नवीनतम सिडनी यूनिवर्सिटी की ओर से एक तकनीकों और रोजमर्मां की जिदी में ऑनलाइन कृषि कौशल सशक्तीकरण कार्यक्रम लांच किया गया है। अब विद्यार्थी विदेशों की तर्ज पर ऑनलाइन माध्यम से शिक्षा हासिल कर सकेंगे। इस कार्यक्रम में देश के 14 विश्वविद्यालयों के कुलपति के अलावा उद्योग जगत, बैंकिंग व राष्ट्रीय कृषि अनुसंधान परिषद के विज्ञानी भी शामिल हुए।

कृषि व्यापारीकरण को मिलेगा

**बढ़ावा :** इस कार्यक्रम के लांच होने से विद्यार्थियों को कृषि उत्पादों के अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर व्यापारीकरण की जानकारी मिलेगी। इसके अलावा कृषि की आधुनिक तकनीकों के बारे में भी जान सकेंगे। साथ ही विद्यार्थियों की स्वयं की स्किल्स विकसित होगी। और इनोवेशन व आंत्रप्रेन्योरशिप को बढ़ावा मिलेगा।

**ये पांच मॉड्यूल हुए लांच :** विश्वविद्यालय की स्नातकोत्तर अधिकारी डा. आशा कवात्रा व अंतर्राष्ट्रीय मामलों के संयोजक डा. दलविंद्र सिंह ने बताया कि सिडनी यूनिवर्सिटी में ऑनलाइन माध्यम से पांच मॉड्यूल लांच हुए में। इनमें 21वीं सदी के आंत्रप्रेन्योर मॉड्यूल, क्रिएटीविटी एंड इनोवेशन मॉड्यूल, मॉड्यूल, डिजाइन थिंकिंग मॉड्यूल, इंडस्ट्री सेमिनार और रिप्लेक्शन रिपोर्टिंग

मॉड्यूल शामिल हैं।

इन्होंने लिया कार्यक्रम में हिस्सा : ऑनलाइन कार्यक्रम में भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद से डा. अरुणाचलम, डा. यशवंत सिंह परमार बागवानी एवं वानिकी विश्वविद्यालय सोलन, हिमाचल प्रदेश के कुलपति डा. परविंद्र कौशल, शेर-ए-कश्मीर विश्वविद्यालय के कुलपति डा. नजीर अहमद, केंद्रीय कृषि विश्वविद्यालय इंफाल के कुलपति डा. अनुपम मिश्रा व बिहार कृषि विश्वविद्यालय के कुलपति डा. अजय कुमार सिंह ने भी संबोधित किया। इनके अलावा बैंगलुरु, केरल, झांसी, धारवाड, जोबरेन सहित विभिन्न विश्वविद्यालयों के कुलपति, उद्योग जगत, बैंकिंग व मैनेज अधिकारियों ने भी भाग लिया।



## चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार लोक संपर्क कार्यालय

पाँच बजे

समाचार पत्र का नाम.....

दिनांक २७.१०.२०२० पृष्ठ संख्या ..... कॉलम.....

### अब ऑस्ट्रेलिया की वेस्टर्न सिडनी यूनिवर्सिटी से ऑनलाइन पढ़ाई कर सकेंगे विद्यार्थी : प्रो. समर सिंह

**राष्ट्रीय कृषि उच्च शैक्षणिक परियोजना- संस्थागत विकास योजना के तहत हुआ कार्यक्रम**

पांच बजे

हिसार। अब विद्यार्थी ऑस्ट्रेलिया की वेस्टर्न सिडनी यूनिवर्सिटी से ऑनलाइन पढ़ाई कर सकेंगे। इसके लिए ग्रान्टीय कृषि उच्च शैक्षणिक परियोजना- संस्थागत विकास योजना के तहत सोमवार को एक ऑनलाइन कृषि कौशल सर्वाविस्तारण कार्यक्रम शुरू हुआ है। इस कार्यक्रम का उद्घाटन वेस्टर्न सिडनी यूनिवर्सिटी के उपकुलपति एवं वाइस प्रेसीडेंट (सिस्टम, इंटरराज एवं इंटरनेशनल) प्रोफेसर डेवोरह च्यूनी ने किया। इस कार्यक्रम में चीर्पी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय हिसार के कूलपति प्रोफेसर समर सिंह को विशेष रूप से आभासित किया गया था। कार्यक्रम के दौरान संबोधित करते



दूसरे कूलपति प्रोफेसर समर सिंह ने कहा कि यूनिवर्सिटी की ओर से एक ऑनलाइन कृषि कौशल मशवितकरण कार्यक्रम लान्न किया गया है। अब विद्यार्थी विदेशों को तर्ज पर ऑनलाइन माध्यम से शिक्षा हासिल कर

सकेंगे। जब कोरोना काल समाप्त हो जाएगा तो फिजिकली रूप से भी वेस्टर्न सिडनी यूनिवर्सिटी में जाकर पढ़ सकेंगे और वहाँ के वैज्ञानिकों व कृषि उद्यमियों से मिलकर कृषि की ज्ञानशाला तकनीकों और रोजगरीय की जिजीरी में काम आने वाली व्यापार की व्यायामिकों की जानकारी हासिल कर सकेंगे। इस कार्यक्रम में देश के 14 विश्वविद्यालयों के कूलपति के अलावा उद्योग जगत, वैज्ञानिक व राष्ट्रीय कृषि अनुसंधान परिषद के वैज्ञानिक भी शामिल हुए।

कृषि व्यापारीकरण को मिलेगा बढ़ावा

प्रो. समर सिंह ने बताया कि इस कार्यक्रम के लाई ज्ञान से विद्यार्थियों को कृषि उत्पादों के अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर व्यापारीकरण की जानकारी मिलेगी और कृषि की आधुनिक तकनीकों के बारे में भी जान सकेंगे। साथ ही विद्यार्थियों की स्वयं की स्किल्स विकसित होंगी और इनोवेशन व अंत्रप्रेन्यरशिप को बढ़ावा मिलेगा।

ये पांच मॉड्यूल हुए लॉन्च विश्वविद्यालय की स्नातकोत्तर अधिकारी

व मैनेजर के अधिकारियों ने भी भाग लिया।

डॉ. आशा कवात्रा व अंतर्राष्ट्रीय मामलों के

मंत्रीजनर डॉ. दत्तविंद्र सिंह व ने बताया कि

सिडनी यूनिवर्सिटी में अनलाइन माध्यम से

पांच मॉड्यूल लान्न हुए हैं। इन मॉड्यूल में

21वीं सदी के आवेदनों मॉड्यूल, डिजिट

एडिटिविटी एंड इनोवेशन मॉड्यूल, डिजिट

एडिटिंग मॉड्यूल, इंडस्ट्री मॉड्यूल और

रिसलेक्शन मिलेगी।

इन्होंने लिया कार्यक्रम में हिस्सा

ओनलाइन कार्यक्रम में भारतीय कृषि

अनुसंधान परिषद से डॉ. अरुणाचलम, डॉ.

यशवंत सिंह परमा आवाजनी एवं व्याविक

विश्वविद्यालय सोलन, हिमाचल प्रदेश के

कूलपति डॉ. पविंद्र कौशल, शेर-ए-क़र्मार

विश्वविद्यालय के कूलपति डॉ. नजीर अहमद,

कंट्रीय कृषि विश्वविद्यालय इंकाल के कूलपति

डॉ. अनुपम मिश्र व विद्या विश्वविद्यालय

के कूलपति डॉ. अजय कुमार सिंह ने भी

संबोधित किया। इनके अलावा बैंगलोर, कर्ल,

झांसी, भारताबाद, जोखनेर महित विभिन्न

विश्वविद्यालयों के कूलपति, उद्योग जगत, वैज्ञानि

क व मैनेजर के अधिकारियों ने भी भाग लिया।



## चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम.....

अ. जी. ट. स. मा. १२

दिनांक . २२-१०-२०२० पृष्ठ संख्या..... कॉलम.....

### अब आस्ट्रेलिया की वेस्टर्न सिडनी यूनिवर्सिटी से ऑनलाइन पढ़ाई कर सकेंगे विद्यार्थी : प्रो. समर सिंह



कार्यक्रम में भोजपुर विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. रमेश शिंह अवृद्ध विद्यार्थी। (छाया : राज पराशर)

हिसार, 26 अक्टूबर (राज पराशर) : अब विद्यार्थी आस्ट्रेलिया वा ब्रिस्टोल मिडने यूनिवर्सिटी से ऑनलाइन पढ़ाई कर सकेंगे। इसके लिए राष्ट्रीय कृषि उत्तर ईशानिक परियोजना संस्थापना योजना के तहत संस्थापना के एक ऑनलाइन कृषि कौशल मरम्मान कार्यक्रम शुरू हुआ है। इस कार्यक्रम का उद्देश्य वेस्टर्न सिडनी यूनिवर्सिटी के उपकुलपति प्रो. याइस ब्रॉडबैट (यार्ड, ईंटरएव एंड ईंटरनेशनल) प्रो. डेवोरह म्यॉर्टन ने विद्या। इस कार्यक्रम में छोटाने चरण शिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय हिसार वा कृत्तर्पति प्रो. समर सिंह द्वारा विशेष

रूप से आमंत्रित विद्या गया था। कार्यक्रम के दौरान संवादित करते हुए प्रो. समर शिंह ने बताया कि बोरोना महामारी के चलते सिंजिकली रूप से आस्ट्रेलिया में जाकर पढ़ाई करना आपो रोम्य नहीं है।

इसलिए, आस्ट्रेलिया की ब्रेस्टर्न सिडनी यूनिवर्सिटी को ओंग से एक ऑनलाइन कृषि कौशल मरम्मान कार्यक्रम लॉन्च किया गया है। अब विद्यार्थी विदेशों की दर्द पर औनलाइन माझमा मे शिक्षा हासिल कर सकेंगे। जब कोरोना काल मन्दाव हो जाएगा तो विजिकली रूप से भोजपुर मिडने यूनिवर्सिटी में जाकर पह रहेंगे और वहाँ के

द्वितीय कृषि उत्तराधान विषयों में विजिकल वृक्षों की नवीकरण वाहनों और ट्रैकर्स की जिंदगी में काम आने वाले व्यापार को वारीकरणों को जानकारी प्रसिद्ध कर सकेंगे। इस कार्यक्रम में देश के 14 विश्वविद्यालयों के कुलपति के अलावा उच्चेश्वर जगत, वैज्ञानिक व वाणिज्य कृषि अनुसंधान परिषद के विद्वानों भी शामिल हुए।

इस ऑनलाइन कार्यक्रम में भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद से डॉ. अरुणचलम, डॉ. यशवंत शिंह परमार, यावदानी एवं वर्तमानी विश्वविद्यालय सीस्टम, हिंगाचल प्रदेश के कुलपति डॉ. परवीर कौशल, शेर-ए-कश्मीर विश्वविद्यालय के कुलपति डॉ. नवोदय आदम, बैंड्रोप कृषि विश्वविद्यालय इंकाल के कुलपति डॉ. अमरपत गिल व वित्त कृषि विश्वविद्यालय के कुलपति डॉ. अमरपत गिल ने भी शामिल विद्या। इनके अलावा विद्यालय, कैरल, झाँगो, यावदान योग्यार्थी विभिन्न विश्वविद्यालयों के कुलपति, उद्योग जगत व वैज्ञानिकों ने भी भाग लिया।



# चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार लोक संपर्क कार्यालय

सिर्वे पत्र

समाचार पत्र का नाम.....

दिनांक २६/१०/२०२० पृष्ठ संख्या..... कॉलम.....

## अब ऑस्ट्रेलिया की वेस्टर्न सिडनी यूनिवर्सिटी से ऑनलाइन पढ़ाई कर सकेंगे विद्यार्थी: प्रो. सिंह

राष्ट्रीय कृषि उच्च शैक्षणिक परियोजना- संस्थागत विकास योजना के तहत हुआ कार्यक्रम कृषि कौशल सशक्तिकरण कार्यक्रम हुआ शुरू

मिट्टी पत्त्व न्यूज़, हिसार। अब विद्यार्थी ऑस्ट्रेलिया की वेस्टर्न सिडनी यूनिवर्सिटी से ऑनलाइन पढ़ाई कर सकेंगे। इसके लिए राष्ट्रीय कृषि उच्च शैक्षणिक परियोजना- संस्थागत विकास योजना के तहत सोमवार को एक ऑनलाइन कृषि कौशल सशक्तिकरण कार्यक्रम शुरू हुआ है। इस कार्यक्रम का उद्घाटन वेस्टर्न सिडनी यूनिवर्सिटी के उपकूलपति एवं वाइस प्रेसीडेंट (रिसर्च, इंटरप्राइज एवं इंटरनेशनल) प्रोफेसर डेवोगाह स्वीनी ने किया। इस कार्यक्रम में चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय हिसार के कुलपति प्रोफेसर समर सिंह को विशेष रूप में आमंत्रित किया गया था। कार्यक्रम के द्वारा संबोधित करते हुए कुलपति प्रोफेसर समर सिंह ने कहा कि कोरोना महामारी के चलते फिजिकल रूप से ऑस्ट्रेलिया में जाकर पढ़ाई करना अपी संभव नहीं है। इसलिए ऑस्ट्रेलिया की वेस्टर्न सिडनी यूनिवर्सिटी की ओर से एक ऑनलाइन कृषि कौशल सशक्तिकरण कार्यक्रम लान्च किया गया है। अब विद्यार्थी विदेशों की तर्ज पर ऑनलाइन माध्यम से विद्या समिल कर सकेंगे। जब कोरोना काल ममासु दो जाएगा तो फिजिकल रूप से भी वेस्टर्न सिडनी यूनिवर्सिटी में जाकर पढ़ मर्हगें और वहाँ के वैज्ञानिकों व कृषि उद्यमियों से मिलकर कृषि की नवोन्तम तकनीकों और रोजमरा



हिसार। कार्यक्रम में मौजूद विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोफेसर समर सिंह व अन्य बक्ता।

की जिदी में काम आने वाली व्यापार की वारीकरों की जानकारी समिल कर सकेंगे। इस कार्यक्रम में देश के 14 विश्वविद्यालयों के कुलपति के अलावा उद्योग जगत, वैज्ञानिक और शामिल हुए। कृषि व्यापारीकरण को मिलेगा बढ़ावा। प्रोफेसर समर सिंह ने बताया कि इस कार्यक्रम के लाई छोने से विद्यार्थियों को कृषि उत्पादों के अतिरिक्त स्तर पर व्यापारीकरण की जानकारी मिलेगी और कृषि को आधुनिक तकनीकों के बारे में भी जान सकेंगे। माथ ही विद्यार्थियों की स्वयं की स्किल्स विकासित होंगी और इनोवेशन व अंत्रिम्योर्यासिप को

### ये पांच मॉड्यूल हुए लॉन्च

विश्वविद्यालय की सातवें अधिकारी डॉ. आशा कात्रा व अंतर्राष्ट्रीय मामलों के संयोजक डॉ. टलपिट रिंग व ने बताया कि सिडनी यूनिवर्सिटी ने ऑनलाइन लाइन से पांच मॉड्यूल लॉन्च हुए हैं। इन मॉड्यूल में २वीं सती के अंतर्प्रेन्योर मॉड्यूल, किएटरिटी एवं इनोवेशन मॉड्यूल, डिजिटल विकिंग मॉड्यूल, डइस्ट्री सिगिनर और एफेलविशन रिपोर्टिंग मॉड्यूल शामिल हैं।

बढ़ावा मिलेगा। इस ऑनलाइन कार्यक्रम में भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद में डॉ. अरुणाचलम, डॉ. यशवंत सिंह परमार वागवानी एवं वानिकी विश्वविद्यालय सोलन, हिमाचल प्रदेश के कुलपति डॉ. परविंद कौशल, शेर-ए-कश्मीर विश्वविद्यालय के कुलपति डॉ. नजीर अहमद, केंद्रीय कृषि विश्वविद्यालय के कुलपति डॉ. अनुपम मिश्र व विहार कृषि विश्वविद्यालय के कुलपति डॉ. अजय कुमार सिंह ने भी संबोधित किया। इनके अलावा बैंगलोर, केरल, झासी, धारवाड, जोड़नेर महित विभिन्न विश्वविद्यालयों के कुलपति, उद्योग जगत, वैज्ञानिक व मैनेज के अधिकारियों ने भी भाग लिया।



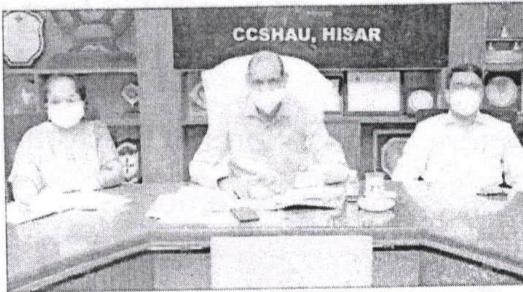
## चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम.....

समर्पित घृतेरपाणा

दिनांक २७-१०-२०२० पृष्ठ संख्या..... कॉलम.....

### अब ऑस्ट्रेलिया की वेस्टन डिग्नी यूनिवर्सिटी से ऑनलाइन पढ़ाई कर सकेंगे विद्यार्थी : वीसी



समस्त हरियाणा ज्ञान सिङ्ह यूनिवर्सिटी के अधिकारी एवं  
हिसार अमंटोलिया की वाइस प्रेसीडेंट (रिमांच, इंटराइज एवं  
वेस्टन डिग्नी यूनिवर्सिटी में ऑनलाइन इंटर्नेशनल) प्रोफेसर डेवोराह स्वीने ने  
पढ़ाई कर मिलें। इसके लिए गार्डीय किया। इस कार्यक्रम में चौथरी चरण  
कृषि उच्च शैक्षणिक परियोजना- सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय हिसार  
मंस्थान विकास योजना के तहत के कूलपति प्रोफेसर संसि मिंह को  
मोमबत्ता को एक ऑनलाइन कृषि विशेष रूप से आमंत्रित किया गया था। सिङ्ह यूनिवर्सिटी की ओर से एक  
कौशल मशक्किकरण कार्यक्रम शुरू हुआ कार्यक्रम के द्वारा मनोविज्ञ करते हुए ऑनलाइन कृषि कौशल मशक्किकरण  
है। इस कार्यक्रम का उद्देश्य वेस्टन कूलपति प्रोफेसर ममर मिंह ने कहा कि कार्यक्रम लान्च किया गया है। अब

#### यह पांच माँड़यूल हुए लांच

विश्वविद्यालय को ज्ञातकोत्तर अधिकारी डॉ. आशा क्वाजा व अंतर्राष्ट्रीय मापदण्डों  
के संयोजक डॉ. दलविंद्र सिंह व ने  
वलया कि सिङ्ह यूनिवर्सिटी में  
ऑनलाइन माध्यम से पांच माँड़यूल  
लान्च हुए हैं। इन माँड़यूल में 21 वर्षीय  
सदी के ओप्रेनरों माँड़यूल,  
क्रिएटिविटी एंड इनोवेशन माँड़यूल,  
डिजाइन थिंकिंग माँड़यूल, इंडस्ट्री  
संमिनार और एफेलक्षन रिपोर्टिंग  
माँड़यूल शामिल हैं।

कोरोना महामारी के बलवें फिलिंकली  
रूप से ऑस्ट्रेलिया में जाकर पढ़ाई करना  
अभी संभव नहीं है।

इसलिए ऑस्ट्रेलिया को वेस्टन  
सिङ्ह यूनिवर्सिटी की ओर से एक  
कौशल मशक्किकरण कार्यक्रम शुरू हुआ कार्यक्रम के द्वारा मनोविज्ञ करते हुए ऑनलाइन कृषि कौशल मशक्किकरण  
के वैज्ञानिकों व कृषि उद्यमियों से व गार्डीय कृषि अनुसधन परिषद के

#### कृषि व्यापारीकरण को मिलेगा बढ़ावा

प्रोफेसर समर मिंह ने बताया कि इस कार्यक्रम के सान्चे होने से विद्यार्थियों को  
कृषि उद्यमियों के अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर व्यापारीकरण को जानकारी मिलेगी और कृषि  
की आधुनिक तकनीकों के बारे में भी जान सकेंगे। साथ ही विद्यार्थियों को स्वयं  
की एक्स्कल्सिव विकासित होगा और इनोवेशन और ऑप्रेनिंग एवं रिसर्च को बढ़ावा मिलेगा।  
इस ऑनलाइन कार्यक्रम में भारतीय कृषि अनुसधन परिषद से डॉ. अरुणाचलम,  
डॉ. वशवंत रिंग परिवार वामवाली एवं वानिकी विश्वविद्यालय सोलन, हिमाचल प्रदेश  
के कूलपति डॉ. परविंद्र कौशल, शेर-ए-कश्मीर विश्वविद्यालय के कूलपति डॉ.  
नजीर अहमद, केंद्रीय कृषि विश्वविद्यालय हफ्ताल के कूलपति डॉ. अनुपम मिश्र व  
विहार कृषि विश्वविद्यालय के कूलपति डॉ. अजय कुमार सिंह ने भी संघोधित किया।  
इनके अलावा बैंगलोर, केरल, झारसी, भारतवाड़, जोवनेर सहित विभिन्न विश्वविद्यालयों  
के कूलपति, उद्योग अगत, वैकिंग व मैनेज के अधिकारियों ने भी भाग लिया।

विद्यार्थी विद्यार्थी जो तज पर ऑनलाइन और गोबर्गा को जिंदगी में काम आने  
माध्यम से शिक्षा प्राप्ति कर मिले। जल वाली व्यापार की वर्गीकरणों की  
कोरोना काल स्पष्ट हो जाएगा तो जानकारी प्राप्ति कर मिले। इस  
फिलिंकली रूप में भी वेस्टन सिङ्ह यूनिवर्सिटी कार्यक्रम में देश के 14 विश्वविद्यालयों के  
सिङ्ह यूनिवर्सिटी में जाकर पढ़ सकेंगे और वहां कूलपति के अलावा उठीग जात, वैकिंग  
के वैज्ञानिकों व कृषि उद्यमियों से व गार्डीय कृषि अनुसधन परिषद के  
मिलकर कृषि की नवीनतम तकनीकों वैज्ञानिक भी शामिल हुए।



## चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम.....उभार उजाला.....

दिनांक .27.10.2020.पृष्ठ संख्या.....4.....कॉलम.....3.....

### वेस्टर्न सिडनी यूनिवर्सिटी से ऑनलाइन पढ़ाई कर सकेंगे विद्यार्थी : प्रो. सिंह

हिसार। अब विद्यार्थी आस्ट्रेलिया की वेस्टर्न सिडनी यूनिवर्सिटी से ऑनलाइन पढ़ाई कर सकेंगे। इसके लिए राष्ट्रीय कृषि उच्च शैक्षणिक परियोजना-संस्थागत विकास योजना के तहत सोमवार को एक ऑनलाइन कृषि कौशल सशक्तीकरण कार्यक्रम शुरू हुआ है। इस कार्यक्रम का उद्घाटन यूनिवर्सिटी के उपकुलपति प्रो. डेबोराह स्वीनी ने किया।

इस कार्यक्रम में हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय हिसार के कुलपति प्रोफेसर समर सिंह को आमंत्रित किया गया था। प्रोफेसर समर सिंह ने कहा कि कोरोना महामारी के चलते शारीरिक रूप से आस्ट्रेलिया में जाकर पढ़ाई करना अभी संभव नहीं है। इसलिए वेस्टर्न सिडनी यूनिवर्सिटी की ओर से एक ऑनलाइन कृषि कौशल सशक्तीकरण कार्यक्रम शुरू किया गया है। ब्यूरो



## चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम..... अभिभावक

दिनांक .. २७. १०. २०२० पृष्ठ संख्या..... २ ..... कॉलम..... ५

### एचएयू में लगेगा एक मेगावाट का सौर ऊर्जा संयंत्र

हिसार। अब जल्द ही हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय (एचएयू) में बिजली के उपकरण सौर ऊर्जा से उत्पन्न बिजली से संचालित होंगे। इसके लिए विश्वविद्यालय व सुखबीर एग्रो एनर्जी लिमिटेड के बीच एक बिजली खरीद करार हुआ है। इसके तहत विश्वविद्यालय में एक मेगावाट का सौर ऊर्जा संयंत्र लगाया जाएगा। संयंत्र लगाने का सारा खर्च कंपनी वहन करेगी। संयंत्र लगाने के बाद विश्वविद्यालय को सालाना करीब 65 लाख रुपये से अधिक की बचत होगी। सोलर ऊर्जा संयंत्र लगाने के बाद विश्वविद्यालय सालाना 13.70 लाख यूनिट बिजली उत्पन्न करेगा। संपदा अधिकारी एवं मुख्य अभियंता भूपद लोहे सिंह ने बताया कि सरकारी भवनों पर लगाया जाने वाला इस तरह का यह सौर ऊर्जा संयंत्र प्रदेश का पहला संयंत्र होगा, क्योंकि इस संयंत्र से उत्पन्न बिजली का रेट प्रति यूनिट करीब 3 रुपये 33 पैसे के हिसाब से पड़ेगा, जबकि इससे पहले जहां भी सरकारी भवनों पर सौर ऊर्जा संयंत्र लगे हैं उनका बिजली रेट प्रति यूनिट महंगा है। इस करार के तहत विविकि के भवनों की छतों पर सौर ऊर्जा संयंत्र की स्थापना अगले छह माह में कर दी जाएगी। यह सारा कार्य भारत सौर ऊर्जा निगम व हरियाणा अक्षय ऊर्जा विकास एजेंसी (हरेडा) की देखरेख में होगा। इस संयंत्र के लगाने से हिसार शहर में भी एक लाख यूनिट प्रति माह बिजली की खपत कम होगी, जिससे गर्मी के दिनों में लगने वाले कटों से निजात मिलेगी। इन संयंत्रों की देखरेख का जिम्मा कंपनी का होगा और अगले 25 वर्षों तक कंपनी ही इन सौर ऊर्जा संयंत्रों को चलाएगी व उनकी देखरेख भाल करेगी। इसके बाद 25 वर्ष की समयावधि पूरी होने पर यह सौर ऊर्जा संयंत्र विश्वविद्यालय की संपत्ति हो जाएगा। ब्लूरे



## चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार लोक संपर्क कार्यालय

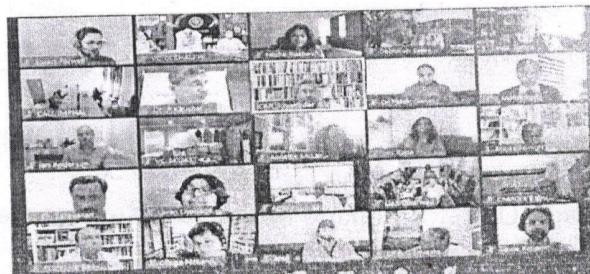
समाचार पत्र का नाम.....  
दिनांक २६.१०.२०२० पृष्ठ संख्या.....कॉलम.....

### अब आस्ट्रेलिया की वेस्टर्न सिडनी यूनिवर्सिटी से ऑनलाइन पढ़ाई कर सकेंगे विद्यार्थी : प्रोफेसर समर सिंह राष्ट्रीय कृषि उच्च शैक्षणिक परियोजना- संस्थागत विकास योजना के तहत हुआ कार्यक्रम

एचआर ड्रेकिंग न्यूज

हिसार। अब विद्यार्थी आस्ट्रेलिया की वेस्टर्न सिडनी यूनिवर्सिटी से ऑनलाइन पढ़ाई कर सकेंगे। इसके लिए राष्ट्रीय कृषि उच्च शैक्षणिक परियोजना- संस्थागत विकास योजना के तहत सोमवार को एक ऑनलाइन कृषि कौशल सशक्तिकरण कार्यक्रम शुरू हुआ है। इस कार्यक्रम का उद्घाटन वेस्टर्न सिडनी यूनिवर्सिटी के उपकूलपति एवं वायस प्रेसिडेंट (रिसर्च, इंटरडिजनल एवं इंटरनेशनल) प्रोफेसर डेवोरा हर्स्टीने ने किया।

इस कार्यक्रम में चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय हिसार के कुलपति प्रोफेसर समर सिंह को विशेष रूप से आमंत्रित किया गया था। कार्यक्रम के दौरान मंबोधित करते हुए कुलपति प्रोफेसर समर सिंह ने कहा कि कोरोना महामारी के चलते फिजिकली रूप से आस्ट्रेलिया में जाकर पढ़ाई करना अभी सभव नहीं है।



कार्यक्रम में मौजूद विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोफेसर समर सिंह व अन्य वर्तमा।

इसलिए आस्ट्रेलिया की वेस्टर्न सिडनी यूनिवर्सिटी की ओर से एक ऑनलाइन कृषि कौशल सशक्तिकरण कार्यक्रम लान्च किया गया है। अब विद्यार्थी विदेशों की तर्ज पर ऑनलाइन माध्यम से शिक्षा हासिल कर सकेंगे। जब कोरोना काल समाप्त हो जाएगा तो फिजिकली रूप से भी वेस्टर्न सिडनी यूनिवर्सिटी में जाकर पढ़ सकेंगे और वहां के

#### कृषि व्यापारीकरण को मिलाए विद्या

प्रोफेसर समर सिंह ने बताया कि इस कार्यक्रम के लाभ होने से विद्यार्थीयों को कृषि उत्पादों के अतंराष्ट्रीय स्तर पर व्यापारीकरण को जानकारी प्रियों और कृषि की आशुकारी व्यक्तियों के बारे में भी जान सकेंगे। साथ ही विद्यार्थीयों की सब्जेक्ट की स्कूलस विकासी संगी और इन्वेस्टर व ऑप्रेनरिशिप को बढ़ावा दिलेंगे।

ये याच मॉड्यूल हुए लार्निंग : विश्वविद्यालय की संतानकारत अधिकारी डॉ. आशा व्यापार व अतंराष्ट्रीय माध्यमों के सम्बन्ध में डॉ. दलविद सिंह व ने बताया कि सिडनी यूनिवर्सिटी में ऑनलाइन माध्यम से पांच मॉड्यूल लार्निंग हुए हैं। इन मॉड्यूल में 21 वीं सदी के आवागमन सम्बन्धित, कृषिकला एवं इनोवेशन मॉड्यूल, डिजाइन विकास मॉड्यूल, इंडस्ट्री संस्करण और सिफारेश रिपोर्टिंग मॉड्यूल शामिल हैं। इन्होंने लिया कार्यक्रम में हिस्सा : इस ऑनलाइन कार्यक्रम में भागीदार कृषि अनुसंधान परिषद में डॉ. अरुणाचलम, डॉ. व्यापार सिंह परमार वायकानी एवं व्यापारी विश्वविद्यालय मैत्रीन, विश्वविद्यालय एवं कुलपति डॉ. एवं अमर, डॉ. रमेश कृषि विश्वविद्यालय इत्यत के कुलपति डॉ. अनुपम मिहर व विद्या कृषि विश्वविद्यालय के कुलपति डॉ. अमर कुमार मिहर ने भी संबोधित किया।



## चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम..... नं.भ.: ३०३

दिनांक २६. १०. २०२० पृष्ठ संख्या..... कॉलम.....

### आस्ट्रेलिया में पढ़ाई के लिए ऑनलाइन कृषि कौशल सशक्तिकरण कार्यक्रम आरंभ

हिसार/26 अक्टूबर/रिपोर्टर

अब विद्यार्थी आस्ट्रेलिया की वेस्टर्न सिडनी यूनिवर्सिटी से ऑनलाइन पढ़ाई कर सकेंगे। इसके लिए राष्ट्रीय कृषि उच्च शैक्षणिक परियोजना, संस्थागत विकास योजना के तहत आज ऑनलाइन कृषि कौशल सशक्तिकरण कार्यक्रम शुरू हुआ है जिसका उद्घाटन वेस्टर्न सिडनी यूनिवर्सिटी के उपकुलपति एवं वाइस प्रेसीडेंट (रिसर्च, इंटरप्राइज एवं इंटरनेशनल) प्रोफेसर डेबोरा ह स्वीनी ने किया। इस कार्यक्रम में चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय कुलपति प्रोफेसर समर सिंह ने कहा कि कोरोना महामारी के चलते फिजिकली रूप से आस्ट्रेलिया में जाकर पढ़ाई करना अभी संभव नहीं है। इसलिए आस्ट्रेलिया की वेस्टर्न सिडनी यूनिवर्सिटी की ओर से एक ऑनलाइन कृषि कौशल सशक्तिकरण कार्यक्रम लॉन्च किया गया है। अब विद्यार्थी विदेशों की तर्ज पर ऑनलाइन माध्यम से शिक्षा हासिल कर सकेंगे। जब कोरोना काल समाप्त हो जाएगा तो फिजिकली रूप से भी वेस्टर्न सिडनी यूनिवर्सिटी में जाकर पढ़ सकेंगे और वहां के वैज्ञानिकों व कृषि उद्यमियों से मिलकर कृषि की नवीनतम तकनीकों और रोजमरा की जिंदगी में काम आने वाली व्यापार की बारीकियों की जानकारी हासिल कर सकेंगे। इस कार्यक्रम में देश के 14 विश्वविद्यालयों के कुलपति के अलावा उद्योग जगत, वैकिंग व राष्ट्रीय कृषि अनुसंधान परिषद के वैज्ञानिक भी शामिल हुए। विश्वविद्यालय की स्नातकोत्तर अधिष्ठाता डॉ. आशा बवात्रा व अंतरराष्ट्रीय मामलों के संयोजक डॉ. दलविंद्र सिंह ने बताया कि सिडनी यूनिवर्सिटी में ऑनलाइन माध्यम से पांच मॉड्यूल लॉन्च हुए हैं। इन मॉड्यूल में 21वीं सदी के आंतर्रेष्योर मॉड्यूल, क्रिएटीविटी एंड इनोवेशन मॉड्यूल, डिजाइन थिंकिंग मॉड्यूल, इंडस्ट्री सेमिनार और रिफेलक्शन रिपोर्टिंग मॉड्यूल शामिल हैं।



## चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार लोक संपर्क कार्यालय

*द्वितीय*

समाचार पत्र का नाम.....

दिनांक २७.१०.२०२० पृष्ठ संख्या..... कॉलम.....

### अब आस्ट्रेलिया की वेस्टर्न सिडनी यूनिवर्सिटी से ऑनलाइन पढ़ाई कर सकेंगे विद्यार्थी : प्रोफेसर समर सिंह

हैलो हिसार न्यूज़

हिसार : अब विद्यार्थी आस्ट्रेलिया की वेस्टर्न सिडनी यूनिवर्सिटी से ऑनलाइन पढ़ाई कर सकेंगे। इसके लिए राष्ट्रीय कृषि उच्च शैक्षणिक परियोजना- संस्थागत विकास योजना के तहत सोमवार को एक ऑनलाइन कृषि कौशल सशक्तिकरण कार्यक्रम शुरू हुआ

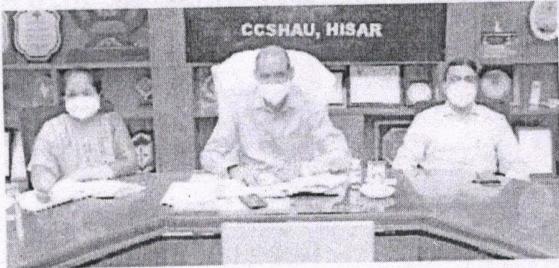
है। इस कार्यक्रम का उद्घाटन

वेस्टर्न सिडनी यूनिवर्सिटी के उपकुलपति एवं वाइस प्रेसीडेंट (रिसर्च, इंटरप्राइज एवं इंटरनेशनल) प्रोफेसर डेबोरा हॉ

स्वीनी ने किया। इस कार्यक्रम में

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय हिसार के कुलपति प्रोफेसर समर सिंह को विशेष रूप से आमंत्रित किया गया था। कार्यक्रम के दौरान संबोधित करते हुए कुलपति प्रोफेसर समर सिंह ने कहा कि कोरोना महामारी के चलते फिजिकली रूप से आस्ट्रेलिया में जाकर पढ़ाई करना अभी संभव

नहीं है। इसलिए आस्ट्रेलिया की वेस्टर्न सिडनी यूनिवर्सिटी की ओर से एक ऑनलाइन कृषि कौशल सशक्तिकरण कार्यक्रम लाँच किया गया है।



राष्ट्रीय कृषि उच्च शैक्षणिक परियोजना- संस्थागत विकास योजना के तहत हुआ कार्यक्रम

अब विद्यार्थी विदेशों की तर्ज पर ऑनलाइन माध्यम से शिक्ष हासिल कर सकेंगे। जब कोरोना काल समाप्त हो जाएगा

कुलपति के अलावा उद्योग जगत, बैंकिंग व राष्ट्रीय कृषि अनुसंधान परिषद के वैज्ञानिक भी शामिल हुए।

प्रोफेसर समर सिंह ने बताया कि इस कार्यक्रम के लांच होने से विद्यार्थियों को कृषि उत्पादों के अंतरराष्ट्रीय स्तर पर व्यापारीकरण की जानकारी मिलेगी और कृषि को आधुनिक तकनीकों के बारे में भी जान सकेंगे।

डॉ. आशा क्वात्रा व अंतरराष्ट्रीय मामलों के संयोजक डॉ. दलविंद्र सिंह व ने बताया कि सिडनी यूनिवर्सिटी में ऑनलाइन माध्यम से पांच माहीयूल लाँच हुए हैं।

तो फिजिकली रूप से भी वेस्टर्न सिडनी यूनिवर्सिटी में जाकर पढ़ सकेंगे और वहां के वैज्ञानिकों व कृषि उद्यमियों से मिलकर कृषि की नवीनतम तकनीकों और रोजमरा की जिदीयों में काम आने वाली व्यापार की वारीकियों को जानकारी हासिल कर सकेंगे। इस कार्यक्रम में देश के 14 विश्वविद्यालयों के



## चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम.....

पंजाब के सबी

दिनांक २७. १०. २०२० पृष्ठ संख्या..... २ ..... कॉलम..... १-५ .....



एम.ओ.यू. पर साइन करने के दौरान मौजूद विश्वविद्यालय के कुलपति व कंपनी के अधिकारी।

हिसार, 26 अक्टूबर (ब्यूरो): पर्यावरण संरक्षण की दिशा में कदम बढ़ाते हुए विश्वविद्यालय एक नई पहल करने जा रहा है। इसके तहत अब जल्द ही चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय हिसार में विद्युत उपकरण सौर ऊर्जा से उत्पन्न बिजली से संचालित होंगे।

इसके लिए विश्वविद्यालय व सुखबीर एंग्री एनर्जी लिमिटेड (भारत सौर ऊर्जा निगम से अधिकृत) व हरियाणा अक्षय ऊर्जा विकास एजेंसी (हरेड़ा) से स्वीकृत के बीच एक बिजली खरीद करार

(पावर पर्चेज एंग्रीमैट) हुआ है। इसके तहत विश्वविद्यालय में एक मैगावाट का सौर ऊर्जा संयंत्र लगाया जाएगा। संयंत्र लगाने का सारा खर्च कंपनी द्वारा बहन किया जाएगा। संयंत्र लगाने के बाद विश्वविद्यालय को सालाना करीब 65 लाख रुपए से अधिक की बचत होगी और विश्वविद्यालय को करीब 3 रुपए 33 पैसे के हिसाब से बिजली मिलेगी। सौलग ऊर्जा संयंत्र लगाने के बाद विश्वविद्यालय सालाना 13 लाख 70 हजार यूनिट बिजली उत्पन्न करेगा।

### 6 महीने में तैयार हो जाएगा प्रोजेक्ट

इस करार के तहत अब विश्वविद्यालय के भवनों की छतों पर सौर ऊर्जा संयंत्र की स्थापना आगले 6 माह में कर दी जाएगी।

इसके लिए विश्वविद्यालय की तरफ से संपदा अधिकारी एवं मुख्य अधियंता भूपेंद्र सिंह के नेतृत्व में गठित टीम, जिसमें कार्यकारी अधियकारी जिंतेंद्र सिंह व उप-मण्डल अधिकारी सोमवीर गहलावत शामिल होंगे। यह सारा कार्य भारत सौर ऊर्जा निगम व हरियाणा अक्षय ऊर्जा विकास एजेंसी (हरेड़ा) की देखरेख में होगा। यह सारा काम सुखबीर एंग्री एनर्जी लिमिटेड के द्वारा किया जाएगा। इस संयंत्र के लाने से हिसार शहर में भी एक लाख यूनिट प्रति माह बिजली की खपत कम होगी, जिससे गर्मी के दिनों में लगाने वाले कटों से निजात मिलेगी।

### ऐसा होगा प्रदेश का पहला संयंत्र

संपदा अधिकारी एवं मुख्य अधियंता भूपेंद्र सिंह ने बताया कि सरका भवनों पर लगाया जाने वाला इस तरह का यह सौर ऊर्जा संयंत्र प्रदे का पहला संयंत्र होगा, क्योंकि इस संयंत्र से उत्पन्न बिजली का रेट प्रा यूनिट करीब 3 रुपए 33 पैसे के हिसाब से पड़ेगा, जबकि इससे पह जहाँ भी सरकारी भवनों पर सौर ऊर्जा संयंत्र लगे हैं, उनका बिजली रे प्रति यूनिट महंगा है।

### प्रति महीना एक लाख यूनिट बिजली बचेगी : कुलपति

कुलपति प्रो. सिंह ने बताया कि सौर ऊर्जा संयंत्र लगने के बाद यह पर्यावरण संरक्षण की दिशा में अहम कदम होगा। इसे विश्वविद्यालय वे सभी भवनों की छतों पर लगाया जाएगा और इसके बाद विश्वविद्यालय को प्रति यूनिट बिजली की दर भी कम हो जाएगी, क्योंकि अभी तक दक्षिण हरियाणा बिजली वितरण निगम से प्रति यूनिट बिजली का खर्च करीब 6.40 रुपए के हिसाब से हो रहा है।

### इनकी मौजूदगी में हुआ करार

बिजली खरीद करार (पावर पर्चेज एंग्रीमैट) साइन करते समय विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. समर सिंह की उपस्थिति में विश्वविद्यालय की ओर से संपदा अधिकारी एवं मुख्य अधियंता भूपेंद्र सिंह, उप-मण्डल अधिकारी सोमवीर गहलावत और सुखबीर एंग्री एनर्जी लिमिटेड की ओर से मुख्य कार्यकारी अधिकारी खालिद नदीम, उप-प्रबंधक अनिल यादव शामिल थे। इनके अलावा विश्वविद्यालय के सभी महाविद्यालयों के अधिष्ठाता, निदेशक एवं विश्वविद्यालय के प्रशासनिक अधिकारी मौजूद थे।



## चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम..... फैन के मासिक .....

दिनांक 27.10.2020 पृष्ठ संख्या..... 1 कॉलम..... 1-4

# पर्यावरण संरक्षण की पहल • एचएयू और सुखबीर एन्जी लिमिटेड के बीच हुआ बिजली खरीद करार एचएयू में लगेगा एक मेगावाट का सौर ऊर्जा संयंत्र, सालाना 13.70 लाख यूनिट बिजली बनेगी, विवि को ₹3.33 प्रति यूनिट आएगा खर्च

भास्कर न्यूज़ | हिसार

पर्यावरण संरक्षण की दिशा में कदम बढ़ाते हुए एचएयू जल्द विवि में बिजली के उपकरण सौर ऊर्जा से उत्पन्न बिजली से संचालित होंगे। इसके लिए विवि व सुखबीर एन्जी लिमिटेड (भारत सौर ऊर्जा निगम से अधिकृत) व हरियाणा अक्षय ऊर्जा विकास एजेंसी (हरेडा) से स्वीकृत के बीच एक बिजली खरीद करार (पावर पर्चेज एमीमेंट) हुआ है। विवि में एक मेगावाट का सौर ऊर्जा संयंत्र लगाया जाएगा। इसका खर्च कंपनी वहन करेगी। संयंत्र लगाने के बाद विवि को सालाना करीब 65 लाख से अधिक की बचत होगी और संयंत्र लगाने के बाद विवि सालाना 13 लाख 70 हजार यूनिट बिजली उत्पन्न करेगा।

### प्रदेश का पहला इस तरह का सौर ऊर्जा संयंत्र होगा

संपदा अधिकारी एवं मुख्य अधियंता भूपेंद्र सिंह ने बताया कि सरकारी भवनों पर लगाया जाने वाला इस तरह का यह सौर ऊर्जा संयंत्र प्रदेश का पहला संयंत्र होगा, जिसके उत्पन्न बिजली का रेट प्रति यूनिट करीब 3 रुपए 33 पैसे के हिसाब से पड़ेगा। जबकि इससे पहले जहां भी सरकारी भवनों पर सौर ऊर्जा संयंत्र लगे हैं उनका बिजली रेट प्रति यूनिट महंगा है।

### 25 वर्षों तक कंपनी की होगी जिम्मेदारी

इन संयंत्रों की देखरेख का जिम्मा कंपनी का होगा और अगले 25 वर्षों तक कंपनी ही इन सौर ऊर्जा संयंत्रों को चलाएगी व उनकी देखभाल करेगी। इसके बाद 25 वर्ष की समयावधि पूरी होने पर यह सौर ऊर्जा संयंत्र विश्वविद्यालय की संपत्ति हो जाएगा।

### भवनों की छतों पर अगले 6 माह में की जाएगी सौर ऊर्जा संयंत्र की स्थापना

इस करार के तहत अब विवि के भवनों की छतों पर सौर ऊर्जा संयंत्र की स्थापना अगले छह माह में की जाएगी। विवि की तरफ से संपदा अधिकारी एवं मुख्य अधियंता भूपेंद्र सिंह के नेतृत्व में गठित टीम में कार्यकारी अधियन्ता जितेंद्र सिंह व उप-मण्डल अधिकारी सोमवीर गहलावत शामिल होंगे, इस कार्य की निगरानी करेंगे। यह सारा कार्य भारत सौर ऊर्जा निगम व हरियाणा अक्षय ऊर्जा विकास एजेंसी (हरेडा) की देखरेख में होगा। यह काम सुखबीर एन्जी लिमिटेड द्वारा किया जाएगा।

### प्रति माह एक लाख यूनिट बिजली की होगी बचत : प्रो. समर सिंह

“सौर ऊर्जा संयंत्र लगाने के बाद यह पर्यावरण संरक्षण की दिशा में अहम कदम है। इसे विवि के सभी भवनों की छतों पर लगाया जाएगा और इसके बाद विवि को प्रति यूनिट बिजली की दर कम हो जाएगी, क्योंकि अभी तक दशियं हरियाणा बिजली वितरण निगम से प्रति यूनिट बिजली का खर्च करीब 6 रुपए 40 पैसे के हिसाब से हो रहा है।” -प्रो. समर सिंह, कुलपति, एचएयू।



## चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम.....  
*मैनक जागरण*

दिनांक . २७. १०. २०२० पृष्ठ संख्या..... । ..... कॉलम..... २६ .....

### उपलब्धि

प्रदेश का पहला सौर ऊर्जा आधारित प्रोजेक्ट, सरते रेट पर मिलेगी विजली, सुखबीर एग्रो एनर्जी लिमिटेड व हरेढ़ा में करार

# एचएयू में लगेगा एक मेगावाट का सौर ऊर्जा संयंत्र

जागरण संवाददाता, हिसार : पर्यावरण संरक्षण की दिशा में कदम बढ़ाते हुए एचएयू एक नई पहल करने जा रहा है। इसके तहत अब जल्द ही हरियाणा कृषि विवि में विद्युत उपकरण सौर ऊर्जा से उत्पन्न बिजली से संचालित होंगे। इसके लिए विवि व सुखबीर एग्रो एनर्जी लिमिटेड (भारत सौर ऊर्जा निगम से अधिकृत) व हरियाणा अक्षय ऊर्जा विकास एजेंसी (हरेढ़ा) के बीच एक बिजली खरीद करार हुआ है।

इसके तहत एचएयू में एक मेगावाट का सौर ऊर्जा संयंत्र लगाया जाएगा। इसका सारा खर्च कंपनी द्वारा वहन किया जाएगा। संयंत्र लगने के बाद विवि को सालाना करीब 65 लाख रुपये से अधिक की बचत होगी और करीब 3 रुपये 33 पैसे प्रति यूनिट के हिसाब से बिजली



एचएयू कंपनी के बीच एमओयू पर साइन करने के दौरान मौजूद विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोफेसर समर सिंह ने बताया कि सौर ऊर्जा संयंत्र लगने के बाद यह पर्यावरण संरक्षण की दिशा में अहम कदम है। इसे विश्वविद्यालय के सभी भवनों की छतों पर लगाया जाएगा। इससे विवि की प्रति यूनिट बिजली की दर भी कम हो जाएगी। अभी तक दाक्षिण हरियाणा बिजली वितरण निगम से प्रति यूनिट बिजली का खर्च करीब 6.40 रुपये के हिसाब से हो रहा है। इससे प्रति महीना करीब एक लाख यूनिट बिजली की बचत होगी।

### 25 वर्षों तक कंपनी की होगी जिम्मेदारी

इन संयंत्रों की देखरेख का जिम्मा कंपनी का होगा। अगले 25 वर्षों तक कंपनी ही इन सौर ऊर्जा संयंत्रों को चलाएगी व उनकी देखभाल करेगी। समयावधि पूरी होने पर संयंत्र विश्वविद्यालय की संपत्ति हो जाएगा।

मिलेगी। सोलर ऊर्जा संयंत्र लगने के हजार यूनिट बिजली उत्पन्न करेगा। बाद एचएयू सालाना 13 लाख 70 संपदा अधिकारी एवं मुख्य अधिकारी

प्रति महीना एक लाख यूनिट बिजली की होगी बचत

विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोफेसर समर सिंह ने बताया कि सौर ऊर्जा संयंत्र लगने



के बाद यह पर्यावरण संरक्षण की दिशा में अहम कदम है। इसे विश्वविद्यालय के सभी भवनों की छतों पर लगाया जाएगा। इससे विवि की प्रति यूनिट बिजली की दर भी कम हो जाएगी। अभी तक दाक्षिण हरियाणा बिजली वितरण निगम से प्रति यूनिट बिजली का खर्च करीब 6.40 रुपये के हिसाब से हो रहा है। इससे प्रति महीना करीब एक लाख यूनिट बिजली की बचत होगी।

इनकी मौजूदी में करार करार पर साइन करते समय कुलपति प्रोफेसर समर सिंह की उपस्थिति में विवि की ओर से संपदा अधिकारी एवं मुख्य अधिकारी भूपेंद्र सिंह, उप मंडल अधिकारी सामवीर गहलावत और सुखबीर एग्रो एनर्जी लिमिटेड की ओर से मुख्य कार्यालयी अधिकारी खालिद नदीम, उप प्रबंधक अनिल यादव शामिल थे। इनके अलावा विवि के सभी महाविद्यालयों के अधिकारी एवं प्रशासनिक अधिकारी मौजूद थे।

भूपेंद्र सिंह ने बताया कि सरकारी भवनों पर लगाया जाने वाला इस

तरह का यह प्रदेश का पहला सौर ऊर्जा संयंत्र होगा।



# चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार

## लोक संपर्क कार्यालय

## समाचार पत्र का नाम.

दिनांक २७.१०.२०२० पृष्ठ संख्या ..... कॉलम .....

एचएच

एचएयू सुखबीर एग्रो एनर्जी लिमिटेड के बीच हुआ बिजली खरीद करार (पावर पर्चेज एग्रीमेंट)

**ग्रीन व क्लीन पर्यावरण की ओर एचएयू के कदम**

- एचएयू में एक मेगावाट का लगेगा सोर ऊर्जा संयंत्र
  - संयंत्र की देखभाल की जिम्मेदारी 25 वर्ष तक कपनी की होगी

सर कहूँ यदीपि मिथ्या  
हिमारा प्रयागण मरणों का दिला  
ग करा बदले दु विभविताना  
एक नय पदन करे जा रहा है। इसके  
नक प्रयत्न करे जा सकता है। यहाँ परि  
क्षण करि विभविताना विद्या  
म विज्ञानी के उत्कर्ष सौ ऊजां से  
संप्रति विज्ञानी में गमनानन्द होता।  
इसके दिवान विभविताना व मरणों और  
प्रयत्नों विभिन्न दो घटनाएँ  
कर रखता है। अपने दोनों घटनाओं  
के बीच विभविताना विभविताना एवं जैवी  
संसार में स्वीकृत के बीच एक  
विभविताना स्थान करा धारा एवं उसके  
(प्रयत्न) द्वारा है। इसके नक प्रयत्न  
विभविताना एवं एक प्रयत्न विभविताना  
से जूनों मध्ये विभविताना का  
मरण लगान का भाग खड़े करने



“एमओयू घर साइन करने के दौरान मैंजूट विश्वविद्यालय के कुलपति व कपणी के अधिकारी।”

द्वारा बतूत किया जाता है। भवेत नगरे के बाद विश्वविद्यालय को मालाना करने वाले ६५ लाख रुपए से अधिक का चरन थांगे तभी विश्वविद्यालय को करोड़ ३ रुपए ३३ पैसे के द्वितीय में विजयी घोषित। सोनम कुमार मंत्री नगरे के बाद विश्वविद्यालय मालाना १३ लाख ७० हजार रुपए विजयी उत्तरांक दिया।

प्रदेश का पहला होमा ऐसा संघर्ष वह जानकारी देने वाले सम्पादि

यह जानकारी देते हुए संपत्ति

**25 वर्षों तक कंपनी की  
हांसी बिमेदारी**

इन शब्दों की देखरेख से जिम्मा कंपनी वा होमा और अग्रणी 25 वर्षों तक कंपनी वा इन सौ ऊंचे सत्रों को लियापाए व उनके देखरेख करेंगी। इसके बावजूद यह कंपनी वा सम्पादनार्थी पूरी होने पर वह सौ ऊंचे संवर्त विधिविद्यालय व माननि शुरू होगा।

प्रति महिना एक लाख युनिट विजडनी की होगी बचतः कलपना विधिविद्यालय के कलाकार प्रोफेसर समर सिंह ने बताया कि इन

संरक्षण की दिशा में अद्यतन करता है। इसे विश्वव्यापारम् के सभी परमानों को छतों पर लाया जाएगा और इसके बाद विश्वव्यापारम् के प्रति युनिविजिली की दृ० वे कम हो जायेंगी। कांगड़ा 35% तक लाग्ना होताहो विजिली वितरण नियम से प्रति युनिविजिली का खुल्च करेगा 6 रुपए, 40 पैसे के दिशावास से ले रहा है।

इनकी मौजूदगी में हुआ कारण विज्ञान स्थानीय कारण (पवर पर्सेंज एप्रोफेट) के साथ कले समय विश्वविद्यालय के कल्पना प्रारंभिक समय सिंह की उत्तरीत में विश्वविद्यालय को और से संपदा अधिकारी एवं मुख्य अधिकारी पूर्व सिंह, डॉ. मण्डल अधिकारी सोमानंद गहलोत एवं सुखेन्द्र एवं एन्ड्रु लिमिटेड की ओर से मुख्य कार्यकारी अधिकारी सुनित नरेंद्र डॉ. प्रबंधक अनेल यादव शामिल थे। इनके अलावा विश्वविद्यालय के सभी प्रयोगशालाएँ के अधिकारी नियंत्रक एवं विश्वविद्यालय के प्रशासनिक अधिकारी मौजूद थे।



# चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार लोक संपर्क कार्यालय

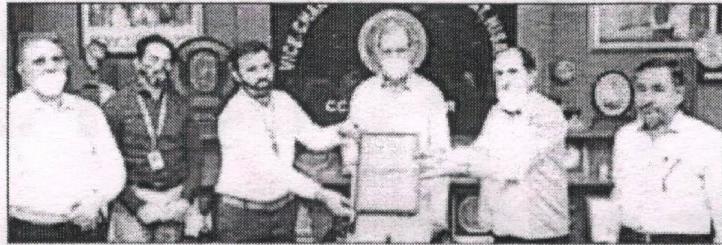
समाचार पत्र का नाम.....

~~मीनब सैवरा~~

दिनांक २७. १०. २०२० पृष्ठ संख्या..... कॉलम.....

## संयंत्र की देखभाल की जिम्मेदारी 25 वर्ष तक कंपनी की होगी

हिसार, 26 अक्टूबर (सुरेंद्र सोना) : पर्यावरण संरक्षण की दिशा में कदम बढ़ाते हुए विश्वविद्यालय एक नई फैल करने जा रहा है। इसके तहत अब जल्द ही चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय हिसार में विजली के उपकरण सौर ऊजां से उत्पन्न विजली से संचालित होगी। इसके लिए विश्वविद्यालय व सुखदोर एंग्रे एन्जी लिमिटेड (भारत मार ऊजां नियम से अधिकृत) व हरियाणा अश्व ऊजां विकास एंजेसी(हर डा.) से स्वीकृत के बांच एक विजली योगद करार (पायर पेंज एंग्रेंट) महुआ है। इसके तहत विश्वविद्यालय में एक मंगाबाट का सौर ऊजां मयन लगाया जाएगा। मयन लगाने का मार याच कंपनी द्वारा बहन किया जाएगा। मयन लगाने के बाद विश्वविद्यालय की भालाना करीब 65 लाख रुपये में अधिक की बचत होगी और विश्वविद्यालय की करीब 3 रुपये 33 पैसे के लियाव में विजली बिकेगी। भालाना मयन लगाने के बाद विश्वविद्यालय मालाना 13 लाख 70 हजार रुपये विजली उत्पन्न करेगा। इन मयनों को देखेंगे को जिम्मा आयोग व लोगों और भालाना 25 वर्षों तक कर्पनों तो इन मार ऊजां मयनों को बालापांगों व उमसों देखेगा। इसके बाद 25 वर्षों की ममगारी भी पर्याप्त रूप से यह मार ऊजां मयन विश्वविद्यालय की मालाना होगा।



एवरेयू व कंपनी के ग्रीष्म एमओयू पर साइन करने के दीरान मीजूट विश्वविद्यालय के कुलपति व कंपनी के अधिकारी।

**हर माह एक लाख यूनिट विजली की होगी बताते कुलपति विश्वविद्यालय के कुलार्थ प्रौद्योगिक सम्मिलित ने बताया कि सौर ऊजां संयंत्र लगाने के बाद यह पर्यावरण संरक्षण की दिशा में अहम कदम है। इसे विश्वविद्यालय के सभी भवनों को छोड़ पर लगाया जाएगा और इसके बाद विश्वविद्यालय को प्रति यूनिट विजली की दर भी कम हो जाएगी, क्योंकि अभी तक वृक्षण हरियाणा विजली विनाश नियम से प्रति यूनिट विजली का खुर्च करीब 6 रुपये 40 पैसे के हिसाब से हो रहा है।**

### प्रदेश का पहला होगा ऐसा संयंत्र

मंपदा अधिकारी एवं मुख्य अधिकारी श्रीपद सिंह ने बताया कि सरकारी भवनों पर लगाया जाने वाला इस तरह का यह सौर ऊजां संयंत्र पर्याप्त का पहला संयंत्र होगा। क्योंकि इस मयन से उत्तम विजली का एवं प्रति यूनिट कराव 3 रुपये 33 पैसे के हिसाब से पहुंचा जायेंगे उससे फले जायेंगे यह मयन भवनों पर सौर ऊजां संयंत्र लगाने हें जल्दी विजली दर प्रति यूनिट महंगा हो।

### छह महीने में हो जाएगा तैयार

इस कागज के तहत अब विश्वविद्यालय के भवनों की ऊजां पर सौर ऊजां संयंत्र को लगाना आगे ले ला रहा है और दो जाएगा। इसके बाद विश्वविद्यालय को तरफ से मंपदा अधिकारी एवं मुख्य अधिकारी श्रीपद सिंह व उप-मण्डन अधिकारी योगदान लगावत आयकर होंगी। इस भाव से विजली को लिया जाएगा। यह मार ऊजां मयन विश्वविद्यालय की भवनों को लगाया जाएगा। यह मार ऊजां मयन विश्वविद्यालय के द्वारा किया जाएगा। इस संयंत्र के लगाने से विश्वविद्यालय में भाला लाम्बा यूनिट प्रति माह विजली दो घण्टे की अवधि कम होगी जिसमें गर्मी के दिनों में लगाने वाले कट्टे में जलाया जाएगा।



## चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम.....

समस्त दैरपाणा

दिनांक २७. १०. २०२० पृष्ठ संख्या..... कॉलम.....

ग्रीन व क्लीन पर्यावरण की ओर हक्की के कदम

### सौर ऊर्जा से उत्पन्न बिजली से संचालित होंगे हक्की के बिजली उपकरण

हक्की में एक  
मेगावाट का लगेगा  
सौर ऊर्जा संयंत्र

एचएयू व सुखबीर  
एयो एनर्जी लिमिटेड  
के बीच हुआ बिजली  
खरीद करार (पावर  
पर्चेज एग्रीमेंट)

संयंत्र की देखभाल  
की जिम्मेदारी 25 वर्ष  
तक कंपनी की होगी

मपन्त हरियाणा न्यूज  
हिमार। पर्यावरण संरक्षण की दिशा में  
कदम बढ़ाते हुए विश्वविद्यालय एक नई  
पहल करते जा रहा है। इसके लाल  
ज्ञान द्वारा ऊर्जा वर्ष सिंह हरियाणा कृषि  
विश्वविद्यालय में बिजली के उत्पन्न  
विद्युत विकास के लिए एक नियमित  
संयंत्र की देखभाल एवं संचालित  
होगा। इसके लिए विश्वविद्यालय व  
सुखबीर एयो एनर्जी लिमिटेड (भारत  
सौर ऊर्जा नियम से अधिकृत) व  
हरियाणा अस्त्र ऊर्जा बिकास



एजेंसी(होर्ड) से स्वैक्षण्य के बांध एक  
बिजली खरीद करार (पावर पर्चेज  
एग्रीमेंट) हुआ है। इसके लाल  
ज्ञान संयंत्र लगाने का मार्ग खर्च कंपनी द्वारा बढ़ाने के बाद  
विश्वविद्यालय को मानागंगा कीरीब 65  
लाख रुपये में अधिक को बचत होगी  
और विश्वविद्यालय यो करोब 3 रुपये  
33 ऐसे से हिसाब से बिजली मिलेगी।  
सोलर ऊर्जा संयंत्र लगाने के बाद  
विश्वविद्यालय मात्राता 13 लाख 20  
हजार वूटिट बिजली उत्पन्न करेगा।

#### प्रदेश का पहला होगा ऐसा संयंत्र

यह जानकारी देते हुए संपर्क अधिकारी  
एवं मुख्य अधिकारी भूरेंद्र सिंह ने घोषया

कि सरकारी भवनों पर लगाया जाने वाला  
इस तरह का यह सौर ऊर्जा संयंत्र प्रदेश  
का पहला संयंत्र होगा, क्योंकि इस संयंत्र  
में उत्पन्न बिजली का रेट प्रति वूटिट  
कीरीब 3 रुपये 33 ऐसे के दिया गया है।  
पहुँचा जबकि इसमें यहां जहां भी  
सरकारी भवनों पर सौर ऊर्जा संयंत्र लगे  
हैं उक्ता बिजली रेट प्रति वूटिट महंगा है।

छह महीने में हो जाएगा  
तैयार

इस करार के तहत अब विश्वविद्यालय  
के भवनों को छोड़ पाएं सौर ऊर्जा संयंत्र  
को स्थापना आगे ले ला माह में कर दी  
जाएगी। इसके लिए विश्वविद्यालय की  
तरफ से संपर्क अधिकारी एवं मुख्य  
अधिकारी भूरेंद्र सिंह के नेतृत्व में गठित  
टीम जिसमें कार्यकारी अधिकारी जिरोद  
सिंह व उप-मण्डल अधिकारी संसाधीर

प्रति माह एक लाख यूनिट बिजली की  
होगी बचत : प्रो. समर सिंह

विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोफेसर ममत सिंह ने घोषया कि सौर ऊर्जा संयंत्र लगाने  
के बाद यह पर्यावरण संरक्षण की दिशा में अहम कदम है। इसे विश्वविद्यालय के सभी  
भवनों की छोड़ों पर लगाया जाएगा और इसके बाद विश्वविद्यालय को प्रति वूटिट  
बिजली को दूर भी कम से जाएगी, क्योंकि अभी तक दीवाना हरियाणा बिजली  
वितरण नियम से प्रति वूटिट बिजली का यांत्र कीरीब 6 रुपये 40 पैसे के हिसाब से  
हो रहा है।

#### इनकी मौजूदगी में हुआ करार

बिजली खरीद करार (पावर पर्चेज एग्रीमेंट) के मानन करते समय विश्वविद्यालय के  
विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोफेसर ममत सिंह को उपर्युक्त में विश्वविद्यालय की ओर आगे से  
अधिकारी एवं मुख्य अधिकारी भूरेंद्र सिंह, उप-मण्डल अधिकारी सोमवार गहनवाल  
और सुखबीर एयो एनर्जी लिमिटेड की ओर से मुख्य कार्यकारी अधिकारी खानिद  
नाईम, उप-प्रबंधक अनिल यादव शामिल थे। विश्वविद्यालय के सभी महाविद्यालयों  
के अधिकारी, नियंत्रक एवं विश्वविद्यालय के प्रशासनिक अधिकारी मौजूद थे।

#### 25 वर्षों तक कंपनी की होगी जिम्मेदारी

इन संयंत्रों की देखभाल का जिम्मा कंपनी का होगा और अगले 25 वर्षों तक कंपनी  
ही इन सौर ऊर्जा संयंत्रों को चलाएगी ये उनकी देखभाल करेंगी। इसके बाद 25 वर्षों  
की सम्यावधि पूरी होने पर यह सौर ऊर्जा संयंत्र विश्वविद्यालय को संरक्षित हो जाएगा।  
गहनवाल शामिल होंगे, इस कार्य की लिमिटेड के द्वारा किया जाएगा। इस  
नियमिती करेंगे। यह सारा कार्य भारत सौर  
लग्न गविट प्रति यात्र बिजली की खपत  
कम होगी जिससे यांत्र के द्वारा से लगाने  
वाले कर्तों से निजात मिलेगी।



## चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार लोक संपर्क कार्यालय

हैलो हिसार

समाचार पत्र का नाम.....

दिनांक २७.१०.२०२० पृष्ठ संख्या..... कॉलम.....

# ग्रीन व क्लीन पर्यावरण की ओर एचएयू के कदम एक मेगावाट का लगेगा सौर ऊर्जा संयंत्र

हैलो हिसार न्यूज़

हिसार : पर्यावरण संरक्षण की दिशा में कदम बढ़ाते हुए विश्वविद्यालय एक नई पहल करने जा रहा है। इसके तहत अब जल्द ही चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय हिसार में बिजली के उपकरण सौर ऊर्जा से उत्पन्न बिजली से संचालित होंगे। इसके लिए विश्वविद्यालय व सुखबीर एग्रो एनजी लिमिटेड (भारत सौर ऊर्जा निगम से अधिकृत) व हरियाणा अक्षय ऊर्जा विकास एजेंसी(हरेंडा) से स्वीकृत के बीच एक बिजली खरीद करार (पावर पर्चेज एग्रीमेंट) हुआ है। इसके तहत विश्वविद्यालय में एक मेगावाट का सौर ऊर्जा संयंत्र



लगाया जाएगा। संयंत्र लगाने का सारा खर्च कंपनी द्वारा वहन किया जाएगा। संयंत्र लगाने के बाद विश्वविद्यालय को सालाना करीब 65 लाख रुपये से अधिक की बचत होगी और विश्वविद्यालय को करीब 3 रुपये 33 पैसे के हिसाब से बिजली मिलेगी। सोलर ऊर्जा संयंत्र लगाने के बाद विश्वविद्यालय सालाना 13 लाख 70 हजार यूनिट बिजली उत्पन्न करेगा।

प्रदेश का पहला होगा ऐसा संयंत्र यह जानकारी देते हुए संप्रदा अधिकारी एवं मुख्य अभियंता भूपेंद्र सिंह ने बताया कि सरकारी भवनों पर लगाया जाने वाला इस तरह का यह सौर ऊर्जा संयंत्र प्रदेश का पहला संयंत्र होगा, क्योंकि इस संयंत्र से उत्पन्न बिजली का रेट प्रति यूनिट करीब 3 रुपये 33 पैसे के हिसाब से पड़ेगा जबकि इससे पहले जहां भी सरकारी भवनों पर सौर ऊर्जा

एचएयू व सुखबीर एग्रो एनजी लिमिटेड के बीच हुआ बिजली खरीद करार (पावर पर्चेज एग्रीमेंट)

संयंत्र लगे हैं उनका बिजली रेट प्रति यूनिट महंगा है। इस करार के तहत अब विश्वविद्यालय के भवनों की छतों पर सौर ऊर्जा संयंत्र की स्थापना अगले छह माह में कर दी जाएगी। इसके लिए विश्वविद्यालय की तरफ से संपदा अधिकारी एवं मुख्य अभियंता भूपेंद्र सिंह के नेतृत्व में गठित टीम जिसमें कार्यकारी अभियन्ता जितेंद्र सिंह व उप-मण्डल अधिकारी सोमवीर गहलावत शामिल होंगे।



## चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम..... पल पल .....

दिनांक २७-१०-२०२० पृष्ठ संख्या..... कॉलम.....

### एचएयू में एक मेगावाट का लगेगा सौर ऊर्जा संयंत्र



पल पल न्यूज़: हिसार, 26 अक्टूबर। पर्यावरण संरक्षण की दिशा में कदम बढ़ाते हुए विश्वविद्यालय एक नई पहल करने जा रहा है। इसके तहत अब जल्द ही चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय हिसार में बिजली के उपकरण सौर ऊर्जा से उत्पन्न बिजली से संचालित होंगे। इसके लिए विश्वविद्यालय व सुखबीर एग्रो एनर्जी लिमिटेड (भारत सौर ऊर्जा निगम से अधिकृत) व हरियाणा अक्षय ऊर्जा विकास एजेंसी (हरेड़ा) से स्वीकृत के बीच एक बिजली खरीद करार (पावर पर्चेज एग्रीमेंट) हुआ है। इसके तहत विश्वविद्यालय में एक मेगावाट का सौर ऊर्जा संयंत्र लगाया जाएगा। संयंत्र लगाने का सारा खर्च कंपनी द्वारा वहन किया जाएगा। संयंत्र लगाने के बाद विश्वविद्यालय को सालाना करीब 65 लाख रूपये से अधिक की बचत होगी और विश्वविद्यालय को करीब 3 रुपये 33 पैसे के हिसाब से बिजली मिलेगी। सोलर ऊर्जा संयंत्र लगाने के बाद विश्वविद्यालय सालाना 13 लाख 70 हजार यूनिट बिजली उत्पन्न करेगा। यह जानकारी देते हुए संपदा अधिकारी एवं मुख्य अभियंता भूपेंद्र सिंह ने बताया कि सरकारी भवनों पर लगाया जाने वाला इस तरह का यह सौर ऊर्जा संयंत्र प्रदेश का पहला संयंत्र होगा, क्योंकि इस संयंत्र से उत्पन्न बिजली का रेट प्रति यूनिट करीब 3 रुपये 33 पैसे के हिसाब से पड़ेगा जबकि इससे पहले जहां भी सरकारी भवनों पर सौर ऊर्जा संयंत्र लगे हैं उनका बिजली रेट प्रति यूनिट महंगा है। इन संयंत्रों की देखरेख का जिम्मा कंपनी का होगा और अगले 25 वर्षों तक कंपनी ही इन सौर ऊर्जा संयंत्रों को चलाएगी व उनकी देखभाल करेगी। इसके बाद 25 वर्ष की समयावधि पूरी होने पर यह सौर ऊर्जा संयंत्र विश्वविद्यालय की संपत्ति हो जाएगा।





## चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम..... सच. ऊरु. ब्रैडिंग

दिनांक २६.१०.२०२० पृष्ठ संख्या..... कॉलम.....

# ग्रीन व क्लीन पर्यावरण की ओर एचएयू के कदम एचएयू में एक मेगावाट का लगेगा सौर ऊर्जा संयंत्र

एचएयू व सुखबीर एग्रो एनजी लिमिटेड के बीच हुआ विजली खरीद करार, संयंत्र की देखभाल की जिम्मेदारी 25 वर्ष तक कंपनी की होगी

एचआर ब्रैडिंग न्यूज़

हिसार। पर्यावरण संस्थण की दिशा में कदम बढ़ाते हुए विश्वविद्यालय एवं एचएयू व जल बदलने आ रहा है। इसके तहत अब जल्द ही नीचपरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार में विजली के उपकरण सौर ऊर्जा से उत्पन्न विजली में संयोजित होंगे। इसके लिए विश्वविद्यालय व सुखबीर एग्रो एनजी लिमिटेड (भारत सौर ऊर्जा नियन्त्रण से अधिकृत) व हरियाणा अख्यू ऊर्जा एंजीनियरिंग (हरिया) से स्वीकृत के बीच एक विजली खरीद करार (पावर पर्चेज एंजीनेट) हुआ है। इसके तहत विश्वविद्यालय में एक मेगावाट का सौर ऊर्जा संयंत्र लगाया जाएगा। संयंत्र लगाने का सारा खुर्च कंपनी द्वारा वहन किया जाएगा। संयंत्र लगाने के बाद विश्वविद्यालय को सालाना करोब 65 लाख रुपये में अधिक की वरचत होगी और विश्वविद्यालय को करोब 3 लाख में 33 पैसे के हिसाब से विजली भिजेगी। सोलर ऊर्जा संयंत्र लगाने के बाद विश्वविद्यालय सालाना 13 लाख 20 हजार रुपये विजली उत्पन्न करेगा।

प्रदेश का पहला होमो एंजीनियरिंग

कारोब जानकारी देते हुए संपर्क अधिकारी एवं मुख्य अधिकारी भूषंद मिहं ने बताया कि सरकारी भवनों पर लगाया जाने वाला इस



एचएयू व कंपनी के बीच एम्प्रॉयू पर साइन करने के दौरान गो-ग्रूप विश्वविद्यालय के कुलपाति व कंपनी के अधिकारी।

तरह का यह सौर ऊर्जा संयंत्र प्रदेश का पहला संयंत्र होगा, जोकि इस संयंत्र से उत्पन्न विजली का टेट प्रति घूर्नन करोब 3 लाख में 33 पैसे के हिसाब से विजली भिजेगा। इससे पहले जला भी सकती भवतीनों पर मीर ऊर्जा संयंत्र लगे हैं उनका विजली रेट प्रति घूर्नन मद्दा है।

छह महीने में हो जाएगा तैयार : इस करार के तहत अब विश्वविद्यालय के भवनों को छतों पर सौर ऊर्जा संयंत्र की

स्थापना आगले छह माह में कर दी जाएगी। इसके लिए विश्वविद्यालय की तरफ से संयंत्र अधिकारी एवं मुख्य अधिकारी भूषंद मिहं ने विजली के नेतृत्व में गठित टीम जिसमें कार्यकारी अधिकारी विजित्र रिंगो व उप-मण्डल अधिकारी संभवधीन गहलतानंग भिजेगी।

शामिल होंगी, इस कारोब की नियामनी करेंगे।

25 वर्षी तक कंपनी की होगी

यह सारा कारोब भारत सौर ऊर्जा नियन्त्रण विकास अधिकारी द्वारा नियंत्रित होगा। इसके बाद 25 वर्ष की समयावधि पूरी होने पर यह भी ऊर्जा संयंत्र विश्वविद्यालय की संपत्ति हो जाएगा।

प्रति महीना एक लाख युनिट विजली की होगी वहत : कुलपाति ग्राहक समर सिंह

विश्वविद्यालय के कुलपाति ग्राहक समर सिंह ने बताया कि सौर ऊर्जा समय लाने के बाद यह पर्यावरण दोषकाल की दिल में जलम करदे हैं। इस विश्वविद्यालय के सभी प्राचीनों की छतों पर लगाया जाएगा और इनके बाद विश्वविद्यालय को पौरी घूर्नन विजली की दर भी कम हो जाएगी। विजली अप्रति तक दृष्टि हरियाणा विजली विजली नियम से प्रति युनिट विजली का खर्च करिए 6 लाख 40 पैसे के बिना में ही रहा है।

इनकी प्राजुदारी में हुआ करार : विजली व्योरेट करार (पावर एंजीन एंप्रॉट) के माध्यम करार समय विश्वविद्यालय के कुलपाति ग्राहक समर विजली की उपस्थिति में विश्वविद्यालय को भी संयोजित करेंगे और समय विजली के एवं युक्त अधिकारी भूषंद मिहं द्वारा विश्वविद्यालय के अधिकारी समन्वय वहनात और सुखबीर एग्रो एनजी लिमिटेड को भी और सूख विजली कार्यकारी अधिकारी विजित्र रिंगो व उप-प्रबंधक अधिकारी यद्यपि असति भी, इनके अलावा विश्वविद्यालय के सभी महाविद्यालयों के अधिकारी, निटेक्स एवं विश्वविद्यालय के प्रशासनिक अधिकारी महजद भी।

चलाएगी व उनकी देखभाल करेंगी। इसके

बाद 25 वर्ष की समयावधि पूरी होने पर

यह भी ऊर्जा संयंत्र विश्वविद्यालय की

संपत्ति हो जाएगा।



# चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार लोक संपर्क कार्यालय

## समाचार पत्र का नाम.

दिनांक २६. १०. २०२० पृष्ठ संख्या ..... कॉलम .....

## एचएयू में एक मेगावाट का लगेगा सौर ऊर्जा संयंत्र

मिट्टी पलम न्यूज़, हिमारा। पर्यावरण मरक्षण की दिला जैसे केन्द्र पहले दूर विश्वविद्यालय एक बड़ा पहल करने या रहा है। इसके तहाँ अब उत्तर भूमि से ऊपरी चांग मिस्र और पार्श्वांश्चाल की विश्वविद्यालय हिमारा में विजयकों के उत्तराधिकारी ऊपरी ऊत्तरों से उत्तर विजयकों में सम्बद्ध होते हैं। उत्तर की विश्वविद्यालय व शुद्धीता की एक विजयलिंगटदि (भारतीय और ऊत्तरी ऊत्तरों में विजयकों) व दीर्घांश्चाल ऊत्तरी विजयकों एवं ऊत्तरी ऊत्तरों से सम्बद्ध होते हैं। एक विजय खुदगढ़ करारा (पाकर परजाएं एवं दूसरों की हाथों में) इसके तहाँ विश्वविद्यालय में एक मेसाराट का और ऊत्तरी ऊत्तरी मरव नामाना जाएगा। मरव नामाना का मासा खुद कपोरा द्वारा बहन लिया जाएगा। मरव लगने के बाद विश्वविद्यालय को मालानकी करेंगे 65 लाख रुपये में अधिक की व्यवस्था होनी और विश्वविद्यालय को कठोर 3.3 पर्सें दे किए हिस्सामें विजयकों दियींगी। मोसल ऊत्तरी मरव लगने के बाद विश्वविद्यालय मालानकी 13 लाख 20 हजार रुपये



हिमाचल प्रदेश के बीच एमओयू पर साइन करने के दौरान मौजूद विश्वविद्यालय के कुलपति वा

第411卷

विजिती उत्पन्न कराया।  
प्रदेश का पहलान होगा ऐसे संघ  
यह जागरूकी देते हुए एक  
अधिकारी एवं मुख्य अधिकारी भूमि  
स्थित ने चलाकी की कि सरकारी भवनों  
लगाया जाने वाला इस तरह का न  
सीर ऊँचा संवेदन प्रदेश का पहला  
संवेदन थेगा, क्योंकि इस संवेदन

इत्यन विजयानी का रेट प्रति रुपैयन  
करोड़ ३ रुपैय ३३ रुपैये के लिए बिकता  
से पछाड़ा जावाकि इसमें पहले जारी भी  
सरकारी भवानों पर सोने कर्ज मध्ये  
लगे ही उनका विजयानी रेट प्रति रुपैयन  
महाना है।

छह महाने में हो जाएगा तैयार  
इस करार के तहत अब विश्वविद्यालय

के भवनों की छतों पर सौर ऊर्जा  
संयंत्र की स्थापना अगले छह माह में  
दर्शायी जाएगी। इसके लिए  
विश्वविद्यालय की तरफ से मध्यमा  
अधिकारीएवं मुख्य संस्कारण भूमि  
सिंह के नेतृत्व में गठित टीम विस्तृत  
कार्यकारी अभियन्त किंवदन्ति सिंह व  
उप-मण्डल अधिकारी सोमवार

प्रति महीना एक लाख यूनिट बिजली की होणी बहुतः क्लप्ति पौर्फेरर समर सिंह

विश्वविद्यालय के पुस्तकालय प्रोफेसर साह ने बताया कि टोटे ऊंची संस्कृत वालों के बारे में एक विविध संस्कृत वीड़ी दिया गया था। उन्होंने अपना कहना है। उन्होंने विश्वविद्यालय के सभी छात्रों की एक एक लकड़ा जामाना और इसके बारे में विवरणित करते ही प्रति विद्युत विद्यालयी की भी एक जामानी जारी करते हैं। विद्युत विद्यालयी का वार्षिक बजार 6 लाख से 40 लाख के बिच होता है।

इन संख्यों को देखते हुए आ विभा कर्तव्य का ग्राहण और अगले 25 वर्षों तक कर्तव्यों से इन सौ देशों की सम्बन्धित कामों को जल्दी तथा उपर्युक्त रूप से पूर्ण करने का उद्देश्य अस्तित्व में लाया जाएगा। इसके बाद 25 वर्षों की समयावधि पूरी नटीम, अप-प्रबंधक असेंट वाद समिति थे। इनके अस्ताना विविध विभागों के अधिकारी नियोजित एवं विविध विभागों के प्रशासकों अधिकारी मौजूद थे।



## चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम..... ५१४८५

दिनांक २६.१०.२०२० पृष्ठ संख्या..... कॉलम.....

### एचएयू में एक मेगावाट का लगेगा सौर ऊर्जा संयंत्र



#### पाठकपक्ष न्यूज

हिसार, 26 अक्टूबर : पर्यावरण संरक्षण की दिशा में कदम बढ़ाते हुए विश्वविद्यालय एक नई पहल करने जा रहा है। इसके तहत अब जल्द ही चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय हिसार में बिजली के उपकरण सौर ऊर्जा से उत्पन्न बिजली से संचालित होंगे। इसके लिए विश्वविद्यालय व सुखबीर एंग्री एनर्जी लिमिटड (भारत सौर ऊर्जा निगम से अधिकृत) व हरियाणा अक्षय ऊर्जा विकास एजेंसी(हरेडा) से स्वीकृत के बीच एक बिजली खरीद करार (पावर पर्चेज एंग्रीमेंट) हुआ है। इसके तहत विश्वविद्यालय में एक

जाएगा। संयंत्र लगाने का सारा खर्च कंपनी द्वारा वहन किया जाएगा। संयंत्र लगाने के बाद विश्वविद्यालय को सालाना करीब 65 लाख रुपए से अधिक की बचत होगी और विश्वविद्यालय को करीब 3 रुपए 33 पैसे के हिसाब से बिजली मिलेगी। सोलर ऊर्जा संयंत्र लगाने के बाद विश्वविद्यालय सालाना 13 लाख 70 हजार यूनिट बिजली उत्पन्न करेगा। यह जानकारी देते हुए संपदा अधिकारी एवं मुख्य अभियंता भूपेंद्र सिंह ने बताया कि सरकारी भवनों पर लगाया जाने वाला इस तरह का यह सौर ऊर्जा संयंत्र प्रदेश का पहला संयंत्र होगा, क्योंकि इस संयंत्र से उत्पन्न बिजली का रेट प्रति यूनिट करीब 3 रुपये 33 पैसे के

#### प्रति महीना एक लाख यूनिट बिजली की होगी बचत : कुलपति प्रोफेसर समर सिंह

विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोफेसर समर सिंह ने बताया कि सौर ऊर्जा संयंत्र लगाने के बाद यह पर्यावरण संरक्षण की दिशा में अहम कदम है। इसे विश्वविद्यालय के सभी भवनों की छतों पर लगाया जाएगा और इसके बाद विश्वविद्यालय को प्रति यूनिट बिजली की दर भी कम हो जाएगी, क्योंकि अभी तक दक्षिण हरियाणा बिजली वितरण निगम से प्रति यूनिट बिजली का खर्च करीब 6 रुपये 40 पैसे के हिसाब से हो रहा है।

(पावर पर्चेज एंग्रीमेंट) के साइन हिसाब से पड़ेगा जबकि इससे पहले जहां भी सरकारी भवनों पर सौर ऊर्जा संयंत्र लगे हैं उनका बिजली रेट प्रति यूनिट महंगा है। इस करार के तहत अब विश्वविद्यालय के भवनों की छतों पर सौर ऊर्जा संयंत्र की स्थापना अगले छह माह में कर दी जाएगी। इसके लिए विश्वविद्यालय की तरफ से संपदा अधिकारी एवं मुख्य अभियंता भूपेंद्र सिंह, उप-मण्डल अधिकारी सोमबीर गहलावत और मुख्यबीर एंग्री एनर्जी लिमिटेड की ओर से मुख्य कार्यकारी अधिकारी खालिद नदीम, उप-प्रबंधक अनिल यादव शामिल थे। इनके अलावा विश्वविद्यालय के सभी महाविद्यालयों के अधिष्ठाता, निदेशक एवं विश्वविद्यालय के प्रशासनिक अधिकारी मौजूद थे।



## चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
The Hawk	27.10.2020	Online	--

### CCS Haryana Agricultural University Will Set Up A Solar Power Plant To Save Rs 65 Lakh Annually

Chandigarh (The Hawk): Chaudhary Charan Singh Haryana Agricultural University (CCSHAU). Hisar is going to take a new initiative towards conservation of environment. As a part of this, the University will soon ensure functioning of electrical appliances through solar energy. This will save the University more than about Rs 65 lakh annually and the University will get electricity at about Rs 3.33. After the solar power plant is set up, the University will generate 13.70 lakh units of electricity annually.

Giving information in this regard, the University spokesperson said

that a Power Purchase Agreement (Power) has been secured between Chaudhary Charan Singh Haryana Agricultural University, Hisar, Sukhbir Agro Energy Limited (authorized from Solar Energy Corporation of India) and Haryana Renewable Energy Development Agency (Hareda). Under this, one megawatt solar power plant will be installed in the University. The entire cost of setting up the plant will be borne by the company. University Vice Chancellor Professor Samar Singh said that setting up a solar power plant is an important step towards environmental protection. It will be installed on the roofs

of all the buildings of the University and after this the rate of electricity per unit to the University will also be reduced, because so far the cost of electricity per unit from Dakshin Haryana Bijli Vitran Nigam is about Rs 6.40. Power Purchase Agreement, was signed in the presence of University Vice-Chancellor Professor Samar Singh, Estate Officer and Chief Engineer, Mr. Bhupendra Singh, Sub Divisional Officer, Mr. Somvir Gehlawat and Sukhbir Agro Energy Limited CEO, Mr. Khalid Nadeem and Deputy Manager Mt. Anil Yadav.

University's Estate Officer and Chief Engi-

nier, Mr. Bhupendra Singh said that this will be the first time such a solar power plant is being installed on government building in the state as the electricity generated from this plant will be around Rs 3.33 per unit. Earlier, wherever government buildings have solar power plants, their electricity rate per unit is expensive. He informed that the company will take care of these plants and for the next 25 years the company will run and maintain these solar power plants. After this, on completion of the 25-year period, this solar power plant will become the property of the university. (JMT-INF)



## चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
The Hawk	27.10.2020	Online	--

### CCS Haryana Agricultural University Will Set Up A Solar Power Plant To Save Rs 65 Lakh Annually

Chandigarh (The Hawk): Chaudhary Charan Singh Haryana Agricultural University (CCSHAU). Hisar is going to take a new initiative towards conservation of environment. As a part of this, the University will soon ensure functioning of electrical appliances through solar energy. This will save the University more than about Rs 65 lakh annually and the University will get electricity at about Rs 3.33. After the solar power plant is set up, the University will generate 13.70 lakh units of electricity annually.

Giving information in this regard, the University spokesperson said

that a Power Purchase Agreement (Power) has been secured between Chaudhary Charan Singh Haryana Agricultural University, Hisar, Sukhbir Agro Energy Limited (authorized from Solar Energy Corporation of India) and Haryana Renewable Energy Development Agency (Hareda). Under this, one megawatt solar power plant will be installed in the University. The entire cost of setting up the plant will be borne by the company. University Vice Chancellor Professor Samar Singh said that setting up a solar power plant is an important step towards environmental protection. It will be installed on the roofs

of all the buildings of the University and after this the rate of electricity per unit to the University will also be reduced, because so far the cost of electricity per unit from Dakshin Haryana Bijli Vitran Nigam is about Rs 6.40. Power Purchase Agreement, was signed in the presence of University Vice-Chancellor Professor Samar Singh, Estate Officer and Chief Engineer, Mr. Bhupendra Singh, Sub Divisional Officer, Mr. Somvir Gehlawat and Sukhbir Agro Energy Limited CEO, Mr. Khalid Nadeem and Deputy Manager Mt. Anil Yadav.

University's Estate Officer and Chief Engi-

nier, Mr. Bhupendra Singh said that this will be the first time such a solar power plant is being installed on government building in the state as the electricity generated from this plant will be around Rs 3.33 per unit. Earlier, wherever government buildings have solar power plants, their electricity rate per unit is expensive. He informed that the company will take care of these plants and for the next 25 years the company will run and maintain these solar power plants. After this, on completion of the 25-year period, this solar power plant will become the property of the university. (JMT-INF)



## चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार लोक संपर्क कार्यालय

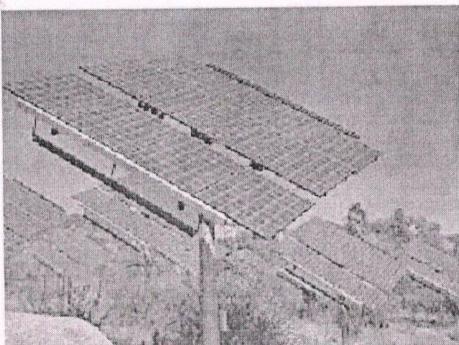
समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
Top Story	27.10.2020	Online	--

### CCS Haryana Agricultural university will set up a solar power plant to save Rs 65 lakh annually

TSN/Chandigarh

Chaudhary Charan Singh Haryana Agricultural University (CCSHAU), Hisar is going to take a new initiative towards conservation of environment. As a part of this, the University will soon ensure functioning of electrical appliances through solar energy. This will save the University more than about Rs 65 lakh annually and the University will get electricity at about Rs 3.33. After the solar power plant is set up, the University will generate 13.70 lakh units of electricity annually.

Giving information in this regard, the University spokesperson said that a Power Purchase Agreement (Power) has been secured



between Chaudhary Charan Singh Haryana Agricultural University, Hisar, Sukhbhir Agro Energy Limited (authorized from Solar Energy Corporation of India) and Haryana Renewable Energy Development Agency (Hareda). Under

this, one megawatt solar power plant will be installed in the University. The entire cost of setting up the plant will be borne by the company. University Vice Chancellor Professor Samar Singh said that setting up a solar power plant is an im-

portant step towards environmental protection. It will be installed on the roofs of all the buildings of the University and after this the rate of electricity per unit to the University will also be reduced, because so far the cost of electricity per unit from Dakshin Haryana Bijli Vitran Nigam is about Rs 6.40. Power Purchase Agreement, was signed in the presence of University Vice-Chancellor Professor Samar Singh, Estate Officer and Chief Engineer, Mr. Bhupendra Singh said that this will be the first time such a solar power plant is being installed on government building in the state as the electricity generated from this plant will be around Rs 3.33 per unit. Earlier, wherever government buildings have solar power plants, their electricity rate per unit is expensive.

He informed that the company will take care of these plants and for the next 25 years the company will run and maintain these solar power plants. After this, on completion of the 25-year period, this solar power plant will become the property of the university.

University's Estate Offi-



## चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम.....संच आर ब्लैन्को

दिनांक २६-१०-२०२० पृष्ठ संख्या.....१ कॉलम.....१

### एसडीएम ने गांव कमाना में किया आधुनिक मशीनों से पराली से गांठे बनाने के कार्य का निरीक्षण

एचआर ब्रेकिंग न्यूज़

रतिया। उपमंडलाधीश सुरेंद्र सिंह बैनीवाल ने सोमवार को गांव कमाना की अनाज मंडी में निरीक्षण किया और किसानों की समस्याओं की जानकारी ली। उपमंडलाधीश ने कृषि विभाग और

पंचायत विभाग के अधिकारियों को सख्त-निर्देश देते हुए कहा कि किसानों की जो समस्याएं हैं उनका समाधान करें।

उन्होंने किसानों से कहा कि वे कृषि विभाग के पोर्टल पर मेरी फसल मेरा व्यूरा के तहत पंजीकरण करवाएं। एसडीएम ने गांव में खाली पड़ी पंचायती जगह पर पराली से तैयार गांठे रखवाने बारे बहां पर मौजूद किसानों से कहा।

इसके बाद एसडीएम ने किसान प्रकाश सिंह थुंड ठाकर सिंह ने 11 एकड़ और पोला सिंह पुत्र मुख्तार सिंह द्वारा ढाई एकड़ में आधुनिक मशीनों द्वारा धान की फसल के अवशेषों से तैयार गांठे बनाने के कार्य की सराहना की। इस दौरान बलकार सिंह (9896409563) ने जानकारी दी कि आधुनिक मशीनों द्वारा खेत से गांठे तैयार करके उठाकर लें जाने का खर्च 1 एकड़



का 2500 रुपये पड़ता है। एसडीएम ने क्षेत्र के किसानों से अपील की है कि वे धान कटाई के बाद फसल अवशेष को आग ना लगाएं। खेतों में फसल अवशेष जलाने से न केवल मिट्टी की उर्वरा शक्ति कम होती है, पर्यावरण भी प्रदूषित होता है।

सरकार द्वारा फसल अवशेषों का सही प्रबंधन करने के लिए कृषि यंत्रों पर भारी अनुदान भी दिया जाता है और पराली प्रबंधन करने वाले किसानों को भी प्रोत्साहन स्वरूप राशि दी जाती है। उन्होंने कहा जो किसान अपने धान की पराली का कृषि यंत्र द्वारा पराली प्रबंधन करवाएगा तो उस किसान को प्रति एकड़ अधिकतम एक हजार रुपये प्रोत्साहन राशि दी जाएगी। इसके लिए किसान को विभागीय पोर्टल डब्ल्यूडब्ल्यूडब्ल्यू डॉट एग्रीहरियाणासीआरएम डॉट कॉम पर

अपना पूर्ण विवरण देकर पंजीकरण करवाना होगा।

उन्होंने बताया कि किसान यदि औद्योगिक इकाई में गांठों को बेचता है तो उसे संबंधित औद्योगिक इकाई से बिल प्राप्त करना होगा। इसके अलावा यदि पंचायत द्वारा उपलब्ध करवाई गई भूमि पर गांठों को एकत्रित करता है तो ग्राम पंचायत एवं विभागीय कर्मचारियों द्वारा उसे सत्यापित प्रमाण-पत्र जारी किया जाएगा, जिसे किसान द्वारा उक्त पोर्टल पर अपलोड करना होगा, ताकि किसान को पराली प्रबंधन बारे प्रोत्साहन राशि दी जा सके। इस अवसर पर एडीओ डॉ. संतलाल, पंचायत अधिकारी उमेद सिंह, कानूनगों गुरमेल सिंह, महेंद्र सिंह, मुख्यपाल, मुश्रीत सिंह नम्बरदार, सरदार जगराज सिंह, भोला सहित अन्य किसान मौजूद रहे।



## चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम.....

दिनांक ..... पृष्ठ संख्या..... कॉलम.....



CMO Haryana

@cmohry

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय,  
हिसार पर्यावरण संरक्षण की दिशा में कदम  
बढ़ाते हुए एक नई पहल करने जा रहा है। इसके  
तहत विश्वविद्यालय में एक मेगावाट का सौर  
ऊर्जा संयंत्र लगाया जाएगा। इससे विश्वविद्यालय  
को सालाना करीब 65 लाख रुपए से अधिक की  
बचत होगी।

Translate Tweet

3:58 pm · 26 Oct 20 · Twitter Web App

36 Retweets 2 Quote Tweets 309 Likes



CMO Haryana @cmohry · 5h

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, सुखबीर  
एग्रो एनर्जी लिमिटेड (भारत सौर ऊर्जा निगम से अधिकृत)  
व हरियाणा अक्षय ऊर्जा विकास एजेंसी के बीच एक  
बिजली खरीद करार हुआ है। संयंत्र लगाने का सारा खर्च  
कंपनी वहन करेगी। विश्वविद्यालय सालाना 13 लाख 70  
हजार यूनिट बिजली उत्पन्न करेगा।